cmyk

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17
5 पैरा एशियन गेम्स को तरजीह : वर्ल्ड नंबर-1' खिलाड़ी शीतल... सम्पादकीय सकल घरेलू उत्पाद से नहीं, सकल राष्ट्रीय... टीसीएस को चौथी तिमाही में 13,718 करोड़ का मुनाफा... 5
वर्ष 12 अंक 359 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

महिला आरक्षण संशोधन ड्राफ्ट को केंद्र की मंजूरी

यह भारत की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों की झलक : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जिसमें इस संशोधन बिल को पारित किए जाने की संभावना है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा, और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

प्रस्ताव के मुताबिक आरक्षण 'वर्टिकल' आधार पर लागू होगा, यानी अनुसूचित जाति और जनजाति की आरक्षित सीटों में भी महिलाओं के लिए हिस्सा तय किया जाएगा। इस बिल को लेकर पीएम मोदी ने अपनी वेबसाइट पर एक आर्टिकल पब्लिश किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि महिला रिजर्वेशन एक्ट में प्रस्तावित बदलाव सिर्फ एक कानूनी काम नहीं, बल्कि यह पूरे भारत की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों की झलक है। उन्होंने सभी सांसदों से इस कदम का साथ देने के लिए एक साथ आने की अपील की और कहा- संसद, सभी दलों से ऊपर उठकर, भारत की महिलाओं के लिए इस महत्वपूर्ण कदम के समर्थन

में एकजुट हो। राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी अनुपात में सीटों का आरक्षण होगा। सरकार एक संशोधन बिल के एक संविधान साथ-साथ परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग साधारण बिल भी लाएगी। ताकि नए सिरे से सीटों का निर्धारण हो सके। नई सीटों का निर्धारण 2027 की जनगणना के बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर किया जा सकता है। यह कानून राज्यों की विधानसभाओं और दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में भी लागू किया जाएगा।

हम ऐसा समाज देखने चाहते हैं जहां हर कोई भय से मुक्त हो : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के बीरभूम जनसभा में बोले

नई दिल्ली। पीएम मोदी गुरुवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम में जनसभा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि-हम ऐसा समाज देखने चाहते हैं। जहां हर कोई भय से मुक्त हो। ये मां, माटी और मानुष की बात करते हैं। मां आज रो रही है, माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत है, डरा हुआ है। उन्होंने कहा कि- गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे जहां हर कोई भय से मुक्त हो, लेकिन झस्ट के महाजंगलराज ने एकदम उल्टा कर दिया। टीएमसी ने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति का अपमान किया था। इससे पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आसनसोल में जनसभा की। उन्होंने कहा कि आपने झस्ट पर विश्वास किया था, लेकिन झस्ट ने बंगाल में निर्ममता की सारी हदें पार कर दीं हैं। उन्होंने कहा कि 4 मई के बाद हर गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा। बंगाल में अब झस्ट का भय नहीं, भाजपा का भरोसा चलेगा। लेफ्ट और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि- बीते कुछ दशकों में बंगाल ने हर पार्टी पर भरोसा करके देखा है। पहले कांग्रेस फिर लेफ्ट और फिर कांग्रेस। लेकिन ये सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। इन लोगों नो सिर्फ बंगाल को धोखा दिया, उनके सपनों को मिट्टी में मिला दिया और उनके सपनों को कुचल दिया। गुरुवार को ही मोदी ने पश्चिम बंगाल के हल्दिया में भी जनसभा की। उन्होंने कहा- टीएमसी ने बंगाल के युवाओं को डबल धोखा दिया है।

नदी जोड़ो परियोजनाओं से बदल रही है किसानों की तकदीर और मध्यप्रदेश की तस्वीर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की तीन अंतर्राज्यीय सिंचाई परियोजनाएं किसानों की समृद्धि और प्रदेश की तरक्की का आधार बन रही हैं। इन परियोजनाओं से जब किसान के खेतों तक पानी पहुँचेगा तो मिट्टी सोना उगलेगी। किसानों को भरपूर पानी मिलेगा, जिससे वे एक वर्ष में तीन-तीन फसलें ले सकेंगे।

तीन पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के साथ प्रदेश में तीन बड़ी अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है। उत्तर प्रदेश के साथ केन-बेतवा लिंक परियोजना, राजस्थान के साथ पार्वती-चंबल-कालीसिंध परियोजना और महाराष्ट्र के साथ मेगा-तापी अंडरग्राउंड वॉटर रिचार्ज परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर मध्यप्रदेश में कृषि, उद्योग, पेयजल के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध होगा। इन परियोजनाओं की विशेषता यह है कि इन पर आने वाली लागत का 90% खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी। वर्तमान में मध्यप्रदेश का सिंचाई रकबा लगभग 55 लाख हेक्टेयर है। वर्ष 2028-29 तक इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य मध्यप्रदेश सरकार ने रखा है।

'केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना'

अंतर्राज्यीय नदियों को जोड़ने की दिशा में केन्द्र सरकार, मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश सरकार मिल कर देश की प्रथम अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना 'केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना' का निर्माण कर रही है। इसकी कुल लागत 44,604 करोड़ रूपये है। मध्यप्रदेश के कार्यांश के लिए केन-बेतवा लिंक परियोजना की लागत 24,293 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन द्वारा अप्रैल 2024 में जारी की गई। परियोजना के प्रथम चरण में दौधन बांध का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिसंबर 2025 को शिलान्यास किया गया। परियोजना से दो चरणों में मध्यप्रदेश में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई क्षमता विकसित की जानी है। परियोजना में 126 एम.सी.एम. जल से 10 जिलों की 41 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। इससे 103 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया जायेगा। परियोजना से 10 जिले छतरपुर, पन्ना, दमोह, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी, रायसेन, शिवपुरी, दतिया एवं विदिशा लाभान्वित होंगे। साथ ही छतरपुर, टीकमगढ़ एवं निवाड़ी के कुल 42 ऐतिहासिक तालाबों का जीर्णोद्धार भी किया जायेगा।

संशोधित पार्वती-कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना

मध्यप्रदेश राज्य की अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत संशोधित पार्वती-कालीसिंध चंबल लिंक को धरातल पर लाने के लिए अनुमानित निर्माण राशि 35 हजार करोड़ रूपये है। इस परियोजना से मध्यप्रदेश राज्य में मालवा और चंबल क्षेत्र के 13 जिलों उज्जैन, गुना, शिवपुरी, श्योपुर, भिंड, मुरैना, सीहोर, शाजापुर, देवास, राजगढ़, मंदसौर, आगर-मालवा एवं इंदौर के 2012 ग्रामों की लगभग 6 लाख 15 हजार हेक्टेयर भूमि में सिंचाई हेतु जल उपलब्ध होगा। मालवा एवं चंबल क्षेत्र के 11 जिलों की 43 लाख आबादी को 61 एम.सी.एम. जल आरक्षित किया जाकर पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही परियोजना से उद्योगों हेतु 17.4 मि.घ.मी. जल उपलब्ध होगा। दिसंबर 2024 में जयपुर में 'पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना' का अनुबंध सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) भारत सरकार राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के मध्य हस्ताक्षरित किया गया। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना अंतर्गत परियोजना समूह की लागत 31479.48 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी की गई है। यह परियोजना मध्यप्रदेश के चंबल और मालवा क्षेत्र के जिलों में जल आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से लगभग 7 लाख 84 हजार कृषकों के जीवन में समृद्धि और खुशहाली आएगी। इस लिंक परियोजना के अंतर्गत 22 वृहद सिंचाई परियोजना के निर्माण के साथ ही 60 वर्ष पुरानी चम्बल दांई तट नहर एवं वितरिका तंत्र के आधुनिकीकरण से मुरैना, भिंड, एवं श्योपुर जिलों के 1205 ग्रामों में 3 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों को सिंचाई का सुनिश्चित लाभ मिलेगा।

मेगा तापी रीचार्ज परियोजना

मेगा तापी रीचार्ज परियोजना पारंपरिक जल भंडारण के स्थान पर भू-गर्भ जल पुर्नभरण योजना है, जिसका उददेश्य मानसून के दौरान तापी नदी के अतिरिक्त जल को नियंत्रित तरीके से भू-जल भरण के लिये उपयोग किया जाकर भू-जल स्तर में वृद्धि किया जाना है। तापी नदी के दाहिने किनारे सतपुड़ा पर्वत माला के तल पर स्थित बजाड़ा जोन में कृत्रिम भू-जल पुनर्भरण किया जायेगा। परियोजना की लागत 19 हजार 244 करोड़ है, जिससे बुरहानपुर एवं खण्डवा जिले के 01 लाख 23 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जायेगी। मई 2025 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मध्य इसे राष्ट्रीय परियोजना के रूप में निर्मित किये जाने की सहमति प्रदान की गई।

माइक्रो सिंचाई में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी

उल्लेखनीय है कि माइक्रो सिंचाई में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य है एवं इस पद्धति के माध्यम से जल का अधिकतम उपयोग कर पाइप के माध्यम से प्रत्येक किसान के खेत तक पानी पहुंचाया जाता है। साथ ही ऐसे क्षेत्रों में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जहां नहरों से पानी पहुंचाना कठिन हो। वर्तमान में प्रदेश में निर्माणाधीन अधिकतम वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में इस पद्धति का उपयोग किया जा रहा है।

असम में 86.92 प्रतिशत, केरलम में 75.01 प्रतिशत और पुडुचेरी में 86 प्रतिशत हुआ शांतिपूर्ण मतदान

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी। असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी विधानसभा चुनावों के लिए मतदान आज संपन्न हो गया। असम की 126 सीटों, केरलम की 140 सीटों और पुदुचेरी की 30 सीटों के लिए मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न हो गया है। प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है।

असम विधानसभा चुनाव में शाम पांच बजे तक 86.92 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। राज्य की सभी 126 सीटों के लिए मतदान आज सुबह सात बजे शुरू हुआ था और आयोग ने मतदान समाप्ति का समय शाम पांच बजे तक तय किया था लेकिन यह समय सीमा समाप्त होने के बाद भी कई लोग मतदान के लिए कतार में लगे हुये थे। चुनाव आयोग के अनुसार पांच बजे तक 86.92 प्रतिशत मतदान हुआ है। राज्य में इक्का दुक्का घटना के अलावा कोई अप्रिय सूचना नहीं मिली और मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए मतदान बृहस्पतिवार शाम छह बजे समाप्त हो गया, लेकिन कई मतदान केंद्रों के बाहर अब भी लोगों की लंबी कतारें लगी हुई थीं। शाम छह बजे मतदान केंद्रों पर मौजूद लोगों को टोकन दिए गए और उन्हें वोट डालने की अनुमति दी गई। शाम पांच बजे तक 75.01 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो 2021 के विधानसभा चुनावों के 74.06 प्रतिशत मतदान से थोड़ा अधिक है। अंतिम मतदान प्रतिशत तभी उपलब्ध होगा जब मतदान केंद्रों पर बचे सभी लोग अपना वोट डाल लेंगे। पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों के लिए मतदान बृहस्पतिवार शाम छह बजे समाप्त हो गया। मतदान समाप्त होने की समय सीमा से पहले पहुंचे और कतार में खड़े लोगों को वोट डालने की अनुमति दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार, 86 प्रतिशत से अधिक लोगों ने मतदान किया। अखिल भारतीय एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता बरकरार रखने के लिए और, विपक्षी कांग्रेस नीत गठबंधन केंद्र शासित प्रदेश में बदलाव के लिए जोर लगा रहा है। इस चुनाव में 9.50 लाख मतदाता सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन के चुनावी भाग्य का फैसला करेंगे। एक पीठासीन अधिकारी ने कहा, मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, 'मैं चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग का धन्यवाद करता हूं।'असम विधानसभा चुनाव 2026 के बीच उदलगुड़ी सीट से उम्मीदवार सुरेन दैमरी को लेकर विवाद बढ़ गया है। पार्टी के एक नेता ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए प्राथमिकी की मांग की है। आरोप है कि श्री दैमरी ने पार्टी के खिलाफ बयान दिए।

दिल्ली विधानसभा समेत कई इमारतों को बम से उड़ाने की धमकी

आर.एन.एस

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा समेत कई सरकारी कार्यालयों को बृहस्पतिवार को बम से उड़ाने की धमकी संबंधी ईमेल मिले। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी में प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक सुरक्षा जांच शुरू की गई। जांच के बाद सभी जगह बम होने की सूचना झूठी निकली।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह ईमेल सुबह 8.14 बजे विधानसभा और दिल्ली सरकार के कार्यालयों से जुड़ी ईमेल आईडी सहित कई आधिकारिक ईमेल

आईडी पर भेजे गए। इसमें दिन में अलग-अलग समय पर विधानसभा, सचिवालय, कुछ स्कूलों और एक मेट्रो स्टेशन पर संभावित विस्फोटों का जिक्र किया गया था। दिल्ली पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए बम निरोधक दस्तों और खोजी कुत्तों की इकाइयों के साथ मिलकर विधानसभा परिसर, सचिवालय, चिह्नित स्कूलों और मेट्रो स्टेशनों पर व्यापक जांच शुरू की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि ईमेल फर्जी थे, लेकिन जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि ईमेल में उल्लिखित सभी स्थानों की जांच की जा रही है, संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया गया है और प्रवेश और निकास स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। ईमेल के स्रोत का पता लगाने और प्रेषक की पहचान के लिए साइबर टीमों को लगाया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

कर्म का सम्बन्ध आत्मा से नहीं, अपितु अज्ञानावच्छिन्न जीवभाव से है: स्वामी श्री अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि- क्षीयन्ते चास्य कर्माणि तस्मिन् दृष्टे परावरे। बहुत्वं तन्निषेधार्थं श्रुत्या गीतं च वै स्फुटम् ।।98।।

स्वामी जी ने कहा कि - यह श्लोक अद्वैत वेदान्त की परम निष्पत्ति का अत्यन्त उज्ज्वल उद्घोष है। यहाँ भगवान् आदि शंकराचार्य यह प्रतिपादित करते हैं कि जब साधक उस परावर ब्रह्म का साक्षात्कार कर लेता है, जो कारण और कार्य, सूक्ष्म और स्थूल, पर और अपर, समस्त भेदों का अधिष्ठान है, तब उसके कर्म क्षीण हो जाते हैं। साथ ही श्रुति ने बहुत्व के निषेध को भी अत्यन्त स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया है। इस प्रकार यह श्लोक दो महान् अद्वैतसिद्ध निष्कर्षों को एक सूत्र में बाँधता है - ब्रह्मदर्शन से कर्मबन्ध का उपशम और ब्रह्म में बहुत्वाभास का निरसन।

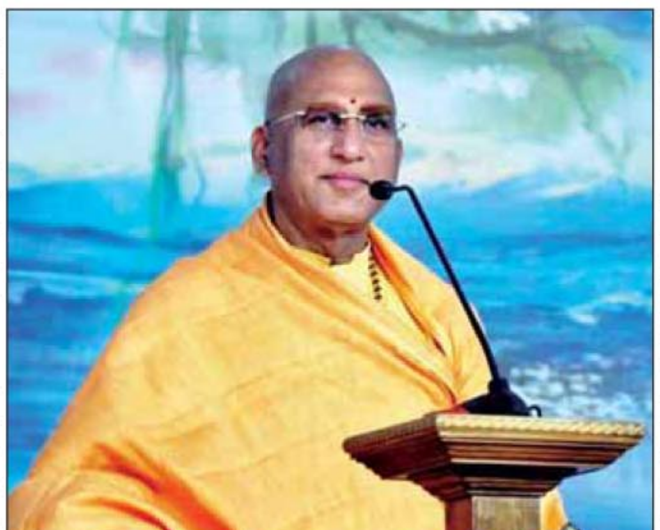

श्लोक का प्रथम चरण - 'क्षीयन्ते चास्य कर्माणि तस्मिन् दृष्टे परावरे' मुण्डकोपनिषद् के प्रसिद्ध वचन की स्मृति कराता है - 'भिद्यते हृदयग्रन्थिः, छिद्यन्ते सर्वसंशयाः, क्षीयन्ते चास्य कर्माणि तस्मिन् दृष्टे परावरे।' यहाँ 'परावर' शब्द अत्यन्त अर्थगर्भित है। 'पर' वह है जो सर्वथा Transcendent, निरुपाधिक, निर्विशेष, परमार्थतत्त्व है; 'अवर' वह है - जो उपाधियों, जगत्, नामरूप और व्यवहार में व्यक्त प्रतीत होता है। ब्रह्म ही इन दोनों का अधिष्ठान है वह परम भी है और सबमें व्याप्त भी; अतीत भी है और अन्तःस्थित भी। जब उसी ब्रह्म का साक्षात्कार होता है, तब जीव का देहाभिमान, कर्तृत्वाभिमान और भोक्तृत्वाभिमान निवृत्त हो जाता है। और जहाँ कर्तृत्वाभिमान ही नहीं रहा, वहाँ कर्मबन्ध की सत्ता किस प्रकार शेष रह सकती है?

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - कर्म का सम्बन्ध आत्मा से नहीं, अपितु अज्ञानावच्छिन्न जीवभाव से है। आत्मा न कर्ता है, न भोक्ता; वह केवल स्वप्रकाश, असंग, अकर्ता, अभोक्ता चैतन्य है। किन्तु जब वही आत्मा देह, मन, बुद्धि और अहंकार के साथ मिथ्या तादात्म्य ग्रहण कर लेती है, तब 'मैं करता हूँ ', 'मैं भोगता हूँ ', 'मैं सुखी हूँ ', 'मैं दुःखी हूँ' ऐसी भ्रान्त धारणाएँ उत्पन्न होती हैं। इन्हीं से कर्मसंचय, पुनर्जन्म, प्रारब्ध, आगामी और संसारचक्र की समस्त कल्पना खड़ी होती है। परन्तु जब ब्रह्मदर्शन होता है, तब यह मूलभूत भ्रान्ति ही भंग हो जाती है। अध्यास के नष्ट होने पर अध्यासजन्य कर्मबन्ध भी टिक नहीं सकता। रस्सी का ज्ञान हो जाने पर सर्प से उत्पन्न भय शेष नहीं रहता; उसी प्रकार आत्मसाक्षात्कार के उदय पर कर्म का बन्धन परमार्थतः निवृत्त हो जाता है।

स्वामी जी ने कहा कि - यहाँ 'क्षीयन्ते' पद का अर्थ भी सूक्ष्म रूप से समझना आवश्यक है। इसका अभिप्राय यह नहीं कि आत्मा पर वास्तव में चिपके हुए कर्म किसी भौतिक वस्तु की तरह गिर पड़ते हैं। अद्वैत वेदान्त की दृष्टि में कर्मबन्ध आत्मा का स्वाभाविक धर्म नहीं, अज्ञानजन्य अध्यास है। अतः ज्ञान के उदय पर कर्मों का क्षय वस्तुतः उनके मिथ्यात्व के प्रकाशन के रूप में है। वे उसी अर्थ में क्षीण होते हैं, जैसे स्वप्न के पुण्य-पाप जागरण पर क्षीण हो जाते हैं, या जैसे मरीचिका का जल ज्ञान होने पर नष्ट माना जाता है। आत्मा तो कभी उनसे बँधी ही नहीं थी; ज्ञान केवल इस सत्य को प्रकाशित करता है।

स्वामी जी ने कहा कि - श्लोक का उत्तरार्ध - 'बहुत्वं तन्निषेधार्थं श्रुत्या गीतं च वै स्फुटम्' अद्वैत के दार्शनिक हृदय पर प्रकाश डालता है। श्रुति ने बहुत्व के निषेध को स्पष्ट रूप से कहा है। 'नेह नानास्ति किञ्चन ', 'सर्वं खल्विदं ब्रह्म ', 'एकमेवाद्वितीयम्' ये महावाक्य और उपनिषद्वचन यही प्रतिपादित करते हैं कि जो बहुत्व, भेद, पृथक-पृथक् सत्ता, जीव-जगत्-ईश्वर का द्वैत या बहुविधानुभव हमें प्रतीत होता है, वह परमार्थतः सत्य नहीं। यह अज्ञानजन्य नामरूप-विस्तार है। श्रुति का प्रयोजन इसी बहुत्वबुद्धि का निरसन कर साधक को अद्वैतबोध में प्रतिष्ठित करना है।

बहुत्व का निषेध केवल दार्शनिक तर्क नहीं; यही मोक्ष का आधार है। जब तक बहुत्व सत्य प्रतीत होता है, तब तक 'मैं' और 'दूसरा ', 'यह' और 'वह ', 'लाभ' और 'हानि ', 'प्रिय' और 'अप्रिय' के समस्त विभाजन बने रहते हैं। इन्हीं से राग-द्वेष, स्पर्धा, भय, शोक, मोह और कर्मचक्र का पोषण होता है। परन्तु जब श्रुति के उपदेश, गुरु के अनुग्रह, मनन और निदिध्यासन से यह स्पष्ट हो जाता है कि बहुत्व केवल प्रतीतिमात्र है और अधिष्ठान केवल एक ब्रह्म है, तब मनुष्य भेदबुद्धि से ऊपर उठकर समत्व और आत्मनिष्ठा में स्थित होने लगता है। यही ज्ञान कर्मक्षय का कारण है; क्योंकि कर्म का आधार ही बहुत्वबुद्धि और कर्तृत्वाभिमान है।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - इस श्लोक में 'श्रुत्या गीतं च वै स्फुटम्' पद अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। आचार्य यह स्मरण कराते हैं कि यह अद्वैत केवल तर्कजन्य स्थापना नहीं, अपितु श्रुति-सम्मत परम सिद्धान्त है। वेदान्त का आधार प्रत्यक्ष जगत् का अनालोचित अनुभव नहीं, बल्कि उस अनुभव की पारमार्थिक समीक्षा है, जिसका अन्तिम प्रमाण श्रुति है। श्रुति स्पष्ट कहती है कि ब्रह्मदर्शन से कर्मक्षय होता है और बहुत्व का निषेध ही सत्य का उद्घाटन है। अतः जो साधक श्रुति-वाक्यों का आश्रय लेकर आत्मतत्त्व का अनुसंधान करता है, वही इस रहस्य को समझ सकता है कि मोक्ष किसी नवीन उपलब्धि का नाम नहीं, अपितु अज्ञानजन्य बहुत्वदृष्टि के निवृत्त हो जाने का नाम है।

दार्शनिक दृष्टि से देखें तो यह श्लोक पूर्ववर्ती विचारों का परिपाक भी है। यदि देह, जगत् और प्रारब्ध सब प्रपञ्च के अन्तर्गत हैं, और यदि प्रपञ्च का आधार अज्ञान है, तो ब्रह्मज्ञान के उदय पर उस समस्त प्रपञ्च की पृथक् सत्ता अवश्य लीन होगी। उसी का यहाँ सकारात्मक प्रतिपादन है - ब्रह्मदर्शन से कर्मक्षय, और श्रुति द्वारा बहुत्वनिषेध। इस प्रकार आदि शंकराचार्य यह सिद्ध करते हैं कि आत्मसाक्षात्कार केवल किसी आध्यात्मिक अनुभूति का नाम नहीं, बल्कि समस्त बन्धन-रचना की ज्ञानपूर्वक निवृत्ति है।

स्वामी जी ने कहा कि - अतः इस श्लोक का निष्कर्ष यह है कि जब परावर ब्रह्म का साक्षात्कार होता है, तब जीव के कर्म परमार्थतः क्षीण हो जाते हैं, क्योंकि कर्तृत्व का आधार ही नष्ट हो जाता है। साथ ही श्रुति स्पष्ट रूप से बहुत्व का निषेध करती है, जिससे यह सिद्ध होता है कि भेदमय जगत् अन्तिम सत्य नहीं। जो शेष रहता है, वह केवल एक अद्वितीय, अखण्ड, स्वप्रकाश, नित्य, शुद्ध, बुद्ध, मुक्त ब्रह्मस्वरूप आत्मा है। यही इस श्लोक का शाङ्करभाष्योपयुक्त, अद्वैतसिद्ध, परम दार्शनिक सन्देश है।

cmyk

भिण्ड की भूमि सनातन एवं धार्मिक अनुष्ठानों की ऐतिहासिक इतिहास को गौरवान्वित कर रही हैः हेमंत खंडेलवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व वाली सरकार की योजनाओं को कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए हर समाज तक पहुंचाएं

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने जिले की पांचो विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी का परचम फहराने के लिए कार्यकर्ताओं को आवाहन किया

लोकतांत्रिक सेनानियों ने कांग्रेस के अत्याचारों को सहन करते हुए भारतीय जनता पार्टी के बड़े वृक्ष को स्थापित किया

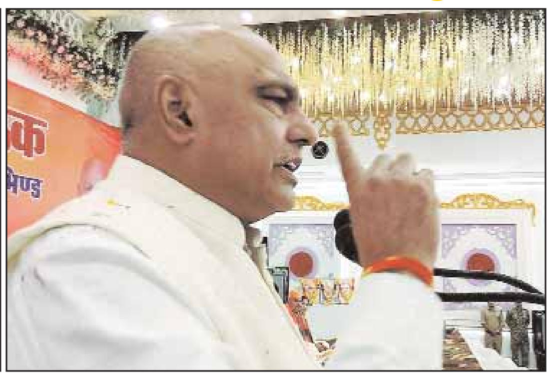

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी के, प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल जी ने कहा कि भिंड की भूमि वीर सैनिकों धार्मिक ऑन राजवंशों भारतीय जनता पार्टी,जनसंघ का संगठन का बड़ा वृक्ष तैयार किया है ऐसी सनातन भूमि को मैं प्रणाम करता हूं। उन्होंने कहा कि हम सब भारतीय जनता पार्टी के जिम्मेदार कार्यकर्ता है और संगठन मजबूती के लिए प्रत्येक बुथ पर काम करते हैं। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन याद के नेतृत्व में अंतिम छोर तक के व्यक्ति को आगे की पंक्ति में खड़ा करने की योजना बनाकर युवाओं महिलाओं किसानों गरीब मजदूर, के लिए योजनाएं की समृद्ध भारत स्मरणीय मध्य प्रदेश समृद्ध बनाने का कार्य कर रही उन्होंने कहा की लाडली बहनों योजना, महिला सशक्तिकरण की मजबूती के साथ 4 करोड़ से अधिक हमारी सरकार ने महिलाओं के लिए बजट में प्रावधान किया है उन्होंने कहा कि हमारी सरकार एक क्लिक के साथ प्रतिमा 1500 भेज कर उनके सम्मान की रक्षा की है

भिण्ड के सैनिकों ने देश की सुरक्षा के लिए अपना बलिदान दिया

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल जी ने भिंडी ऋषि की पावन तपोभूमि को प्रणाम करते हुए कहा यह वह भूमि है जहां भारत की सीमाओं पर हमारे वीर सपूत सैनिकों ने बलिदान देकर देश की रक्षा की उन्होंने कहा की चंबल संभाग से 35000 से अधिक हमारे सैनिक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने कहा की कारगिल युद्ध में सुल्तान सिंह नरवरिया जैसे हमारे वीर सपूत ने देश के दुश्मनों से संघर्ष कर अपना बलिदान दिया में उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी के विकास कार्यो को मोदी जी ने आगे बढ़ाया

प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल ने कहा कि भारत के विकास के लिए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी के विकास कार्यों को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपनी विकसित और समृद्धि योजना का संकल्प लेकर आगे बढ़ने का कार्य किया है। उन्होंने कहा हर क्षेत्र में हमारी सरकार अच्छा कार्य कर रही है ताकि योजनाएं समाज के अंतिम लक्ष्य तक पहुंचे यह भाव को लेकर अंत्योदय हमारी विचारधारा है यही संकल्प भारतीय जनता पार्टी अपने मूल सिद्धांतों को लेकर आगे बढ़ रही है भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि हमारी पार्टी ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। इसलिए भाजपा अन्य सभी दूसरे दलों से अलग है। भाजपा आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कार्य कर रही है। कार्यकताओं की मेहनत और परिश्रम से ही भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना है। मुरैना में हरि गिरी महाराज की ख्याति प्रदेशभर में फैली हुई है। उन्होंने कुरीतियों को समाप्त करने तथा लाखों लोगों को नशे से दूर करने का कार्य किया। काकोरी कांड के महान क्रांतिकारी स्वर्गीय रामप्रसाद बिस्मिल के बिना मुरैना का इतिहास अधूरा है। मुरैना की धरती अपनी संघर्षशील पहचान के लिए जानी जाती है। यहां भाजपा संगठन को मजबूत करने, भारतीय जन संघ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय चौधरी दिलीप सिंह चतुर्वेदी पूर्व विधायक मथुरा प्रसाद महंत पूर्व विधायक श्री राम जाटव पूर्व जिला अध्यक्ष केशव सिंह भदौरिया नवल किशोर मिश्रा जैसे कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल जी ने कहा अटेर केला भिण्ड किला गोहद किला, गौरी सरोवर वानखंडेश्वर महादेव की कृपा से यह भिंडी ऋषि की पावन भगवान परशुराम जी की जन्म भूमि ग्राम जामदार धार्मिक स्थान भिंडी के इतिहास को गौरवान्वित कर रहे हैं

संगठन में सबसे बड़ा पद कार्यकर्ता भाव को आगे बढ़ता है

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि संगठन में सबसे बड़ा पद कार्यकर्ता भाव को आगे बढ़ता है कार्यकर्ता ही हमारे लिए सर्वोपरि है और हम सब की जिम्मेदारी है कि केंद्र राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हम नीचे स्तर तक पहुंच कर उन्हें लाभ दिलाने का कार्य करें ताकि आगामी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी सेवा संकल्प का भाव लेकर सरकार में आए और और विकास आगे बढ़े। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल जी ने कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाया कि हम जिले की पांचो विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत के साथ जीत दिलाई और आगामी चुनाव में भी लोकसभा और विधानसभा नगरीय निकायों ग्राम पंचायत से लेकर जिला पंचायत और जनपद में भी भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता बैठकर अपना नेतृत्व प्रदान करें। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने संस्कृति गार्डन में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय बैठक में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति के चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। पार्टी जिला अध्यक्ष नरवरिया ने कहा कि जिले में 1588 बुथ, केंद्र पर भारतीय जनता पार्टी प्रचंड जीत के साथ कार्यकर्ता संकल्प लेकर कार्य करेंगे विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी

कार्यकर्ताओं की पार्टी है डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रेरणा से देश निरंतर प्रगति कर रहा है। सरकार के उल्लेखनीय कार्यों को जनता तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

भाजपा सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाएं, संगठन को और मजबूत बनाएं

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियां को जनता तक पहुंचाना है। प्रदेश की जनता को भाजपा संगठन और सरकार हर समाज वर्ग के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है यह भी बताना है। पार्टी कार्यकर्ता भाजपा की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां जनता को बताकर गांव-गांव तक संगठन को और मजबूत बनाएं। भाजपा अपनी विचारधारा और कार्यपद्धति के कारण पहचानी जाती है। जबकि कांग्रेस की स्वयं की कोई विचारधारा नहीं होने के कारण आजादी के बाद से वह लगातार कमजोर होती गई। भाजपा अपनी मूल विचारधारा पर हमेशा कायम रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गई है, जो जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की संभावना है। वर्ष 2003 के पूर्व मध्यप्रदेश का बजट मात्र 23,000 हजार करोड़ रुपये था जो बढ़कर 4 लाख 21 हजार करोड़ हो गया है। भाजपा सरकार बनने के पश्चात प्रदेश का बजट विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर बड़े पैमाने पर खर्च किया जा रहा है। वर्तमान में लाड़ली बहना योजना, मेडिकल कॉलेजों और संदीपनी स्कूलों की स्थापना के साथ-साथ सरकार औद्योगिक ढांचा खड़ा करने पर भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश की आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य, रोजगार और बेहतर परिस्थितियों के लिए कार्य कर रही है, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार देश और प्रदेश में आवश्यक है। भारत में लगातार तीसरी बार स्थिर सरकार और विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व देश को मजबूती प्रदान कर रहा है।

पार्टी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि आमजन से निरंतर जुड़ाव बनाए रखें

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए नई व्यवस्था के तहत आगामी समय में विधायक, मंत्री और सांसदों के कार्यालयों में उनके मिलने के दिन निर्धारित किए जाएंगे, ताकि कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों के बीच दूरी कम हो और संवाद बेहतर हो सके। पार्टी स्थापना दिवस के बाद ह्लगांव-बस्ती चलोह्व अभियान चलाया जा रहा है। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आने वाले विधानसभा-सत्र में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव लाया जाएगा, जिससे उन्हें संसद और विधानसभा में उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार समाज के हर वर्ग को बराबरी से आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। भाजपा के नेतृत्व में देश के नागरिकों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम करें। पार्टी पदाधिकारी, जिला एवं मंडल अध्यक्ष, विधायक व सांसद आमजन से निरंतर जुड़ाव बनाए रखें। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाना हम सभी कार्यकताओं की जिम्मेदारी है। कांग्रेस के लंबे शासनकाल में गरीबों के लिए कोई योजना नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला गैस कनेक्शन,आयुष्मान योजना और फसल बीमा जैसी योजनाएं बनाकर गरीबों के साथ सभी समाज वर्ग का कल्याण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान मीसाबंदी रामकुमार मिश्रा, रामनाथ, राधेश्याम गुप्ता और किशन जैसे कार्यकताओं ने संघर्ष करते हुए अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया

आने वाले चुनावों में भिण्ड के हर बूथ पर कमल खिले

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि देश की आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का नेतृत्व जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। हम सभी भाजपा कार्यकताओं को संगठन को और मजबूत बनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हाथ मजबूत करना है। कार्यकर्ता पार्टी संगठन को मजबूत बनाएं, संगठन सभी कार्यकताओं की चिंता कर रहा है। पार्टी कार्यकर्ता संगठन को इतनी बुलंदियों तक पहुंचाएं कि आने वाले सभी चुनावों में भिण्ड जिले के हर बूथ पर कमल ही कमल खिले। भाजपा हर बूथ पर प्रचंड जीत दर्ज करे।

डॉ. मुखर्जी और पं. उपाध्याय जी की प्रेरणा से देश निरंतर प्रगति कर रहा

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल के मार्गदर्शन में पार्टी संगठन तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक गरीब के घर गैस सिलेंडर, हर गांव में सड़क और हर जरूरतमंद के पास पक्का मकान हो, जिससे देश की नींव मजबूत हो। सरकार की योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग को सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है,जिसमें विशेष रूप से प्रधानमंत्री जन-धन योजना जैसी पहल ने आमजन को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। इसके परिणामस्वरूप भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गई है। आज दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और अशांति का माहौल है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूती और स्थिरता के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा और प्रेरणा का ही परिणाम है, जिसके बल पर देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के अंतिम छोर तक संगठन को मजबूत करने और जनपद के विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास की रोशनी पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है, और भाजपा इसके लिए दृढ़ संकल्पित है। कार्यकर्ता सरकार और संगठन के मार्गदर्शन में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें, ताकि मध्यप्रदेश को देश का श्रेष्ठ प्रदेश बनाया जा सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने महापुरुषों की प्रतिमाओं पर किया पुष्प अर्पित

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल बुधवार को मुरैना पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं ने करीब 4 किलोमीटर लंबी यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर मंच सजाकर उनका भव्य स्वागत किया। लोकतांत्रिक सेनानियों ने उन्होंने यात्रा के दौरान श्रद्धेय के साथ संगठन को मजबूत बनाया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने महापुरुषों के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके आदर्श और संघर्ष हमेशा देशवासियों को प्रेरित करते रहेंगे।भिण्ड में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य, भाजपा प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर संभागीय संगठन प्रभारी डॉ. अभय प्रताप सिंह यादव प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल प्रदेश शहर मीडिया प्रभारी राज लखन सिंह शासन के मंत्री राकेश शुक्ला,सांसद श्रीमती संध्या राय,जिला प्रभारी हमीर पटेल, विधायक नरेंद्र कुशवाह, जिला अध्यक्ष देवेन्द्र नरवरिया, पूर्व मंत्री अरविन्द भदौरिया पूर्व मंत्री ओपीएस भदौरिया,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना भदौरिया, प्रदेश सहमीडिया प्रभारी राजलखन जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष केपी सिंह भदौरिया हिला स्वयंसहायता समूह प्रकोष्ठ की प्रदेश संयोजक श्रीमती ममता भदौरिया,श्रीमत कृष्णकांता तोमर, पूर्व विधायक निगम अध्यक्ष रणवीर जाटव पूर्व विधायक मथुरा प्रसाद महंत मध्य प्रदेश बीज विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ राजकुमार सिंह कुशवाह पर उपस्थित संचालन जिला महामंत्री शैलेंद्र पालीवाल ने किया।

भिण्ड,अटेर, मेहगांव में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया ऐतिहासिक स्वागत

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के प्रथम नगर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गोरमी से लेकर भिण्ड चौराहों पर पुष्पमाला पहनकर उनके ऐतिहासिक स्वागत किया। संस्कृति मैरिज गार्डन मे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का बड़ी माला पहनकर जिले के समस्त पदाधिकारी ने ऐतिहासिक स्वागत किया।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सभी जन प्रतिनिधि नीचे स्तर तक संगठन मजबूती के लिए प्रयास करेंः हेमंत खंडेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सर्किट हाउस पर आयोजित पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सभी जनप्रतिनिधियों से संवाद किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने अपने एक दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के निमित्त भिंड सर्किट हाउस पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों, से बैठक आयोजित कर संगठनत्मक एवं सामाजिक विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए सरकार की विभिन्न जनकल्याण योजनाओं का जनता को लाभ दिलाने हेतु पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जन् प्रतिनिधि, अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए नीचे स्तर तक हर समाज को भाजपा की विचारधारा से जोड़ने के लिए एक प्रवास करें ताकि बुथ स्तर पर संगठन मजबूत बने।

प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल जी ने सर्किट हाउस पर आयोजित पार्टी के सभी जन प्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ नेताओं से परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि आप सभी ने भारतीय जनता पार्टी को लंबी यात्रा के साथ जिला में संगठन को मजबूती प्रदान की है इस तरह पार्टी के बट वृक्ष को आगे बढ़ाने के लिए कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन कर बुथ स्तर तक संगठन की प्रभावी रचना बने इसके लिए हम सब मिलकर कार्य करें उन्होंने कहा कि पार्टी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि आमजन से निरंतर जुड़ाव बनाए रखें। ताकि कार्यकर्ता और जनता से सीधा संवाद स्थापित हो। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए नई व्यवस्था के तहत आगामी समय में विधायक, मंत्री और सांसदों के कार्यालयों में उनके मिलने के दिन निर्धारित किए जाएंगे, ताकि कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों के बीच दूरी कम हो और संवाद बेहतर हो सके। पार्टी स्थापना दिवस के बाद ह्लगांव-बस्ती चलोह्व अभियान चलाया जा रहा है। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आने वाले विधानसभा-सत्र में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव लाया जाएगा, जिसका भी प्रचार प्रसाद हर समाज की मातृ शक्ति तक होना चाहिए ताकि महिला सशक्तिकरण यह मजबूती के साथ समाज का नेतृत्व करें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल ने भिण्ड सर्किट हाउस पर में आयोजित भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सम्मिलित होकर उपस्थित कार्यकर्ताओं से संवाद किया। संगठिक हो कर कार्य करना ही (BJP) की असली पहचान है, और यह शक्ति हमारे समर्पित एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से निरंतर सुदृढ़ हो रही है।आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के कुशल नेतृत्व में हम सभी विकसित मध्य प्रदेश के निर्माण हेतु संकल्पबद्ध होकर तीव्र गति से आगे बढ़ रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह के निवास पर जिला कोर कमेटी की बैठक आयोजित की

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने क्षेत्रीय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह के निवास स्थान जिला भाजपा कोर कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए विकास और संगठनत्मक तथा महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर चंबल संभाग के संगठन प्रभारी डॉक्टर अभय प्रताप सिंह यादव जिला संगठन प्रभारी हमीर सिंह पटेल, मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला भिण्ड दतिया लोकसभा सांसद श्रीमती संध्या राय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया,पूर्व सांसद डॉक्टर राम लखन सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष केशव सिंह भदौरिया पूर्व जिला अध्यक्ष संजीव काकर मध्य प्रदेश खनिज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष कोक सिंह नरवरिया पूर्व मंत्री डॉक्टर अरविंद सिंह भदौरिया, पूर्व मंत्री ओपीएस भदौरिया पूर्व विधायक मथुरा प्रसाद महान पूर्व विधायक रणवीर जाटव भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य मायाराम शर्मा एडवोकेट डॉक्टर रमेश दुबे, रामकुमार महते रोमेश महंत जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना भदौरिया जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष केपी सिंह भदौरिया श्रीमती कृष्णाकांता तोमर नवल किशोर मिश्रा शैलेंद्र सिंह राजावत श्रीमती ममता भदौरिया पूर्व जिला अध्यक्ष रवि सेन जैन पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा राजे, विशेष रूप से मौजूद थे कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र शर्मा ने किया।

10 से 14 अप्रैल तक श्रीमद वल्लभाचार्य जी का 549वाँ प्राकट्य महोत्सव

श्री गिरिराज धर्मशाला में होंगे विविध धार्मिक कार्यक्रम, 10 अप्रैल को आचार्य श्री का भव्य नगर आगमन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। अंतरराष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद, शाखा लश्कर द्वारा जगद्गुरु महाप्रभु श्रीमद वल्लभाचार्य जी का 549वाँ प्राकट्य महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया जाएगा। यह महोत्सव कल 10 अप्रैल 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक आयोजित होगा। महोत्सव का आयोजन श्री गिरिराज धर्मशाला, दौलतगंज, लश्कर (ग्वालियर) में किया जाएगा। कार्यक्रम पूज्य गोस्वामी श्री 108 श्री शरदकुमार जी महाराज (कोटा) के सान्निध्य में सम्पन्न होंगे।

महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन कथा, सत्संग, भजन-कीर्तन, पूजन एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा। 10 अप्रैल (शुक्रवार) को सायंकाल आचार्य श्री का भव्य नगर आगमन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन सहभागिता करेंगे। परिषद् के श्री कृष्ण कुमार गोयल, मोहनलाल अग्रवाल ने सभी श्रद्धालुओं एवं वैष्णवजनों से आग्रह किया है कि वे इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें ।

मध्य प्रदेश सनाढ्य सभा की बैठक में सर्वसम्मति से चुनाव की घोषणा

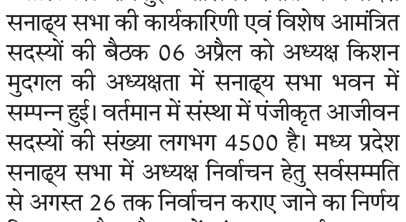
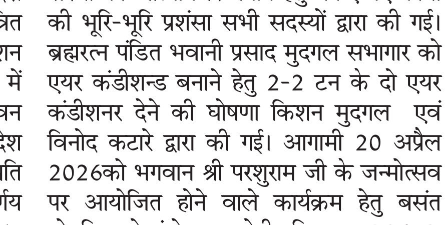
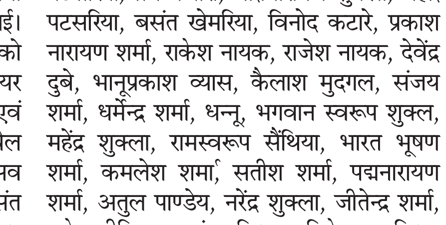

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। रामकुई ग्वालियर स्थति मध्य प्रदेश सनाढ्य सभा की कार्यकारिणी एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों की बैठक 06 अप्रैल को अध्यक्ष किशन मुदगल की अध्यक्षता में सनाढ्य सभा भवन में सम्पन्न हुई। वर्तमान में संस्था में पंजीकृत आजीवन सदस्यों की संख्या लगभग 4500 है। मध्य प्रदेश सनाढ्य सभा में अध्यक्ष निर्वाचन हेतु सर्वसम्मति से अगस्त 26 तक निर्वाचन कराए जाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में संस्था का वर्ष 2024-25 का आय-व्यय पत्रक प्रस्तुत किया गया है। जिसे सभी सम्माननीय सदस्यों द्वारा ध्वनि मत से पारित किया गया। किशन मुदगल के कार्यकाल में भगवान श्री परशुरामेश्वर महादेव मंदिर निर्माण आय के साधन बढ़ाने हेतु दुकानों का निर्माण एवं संस्था को आत्मनिर्भर बनाने हेतु किए गए कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा सभी सदस्यों द्वारा की गई। ब्रह्मरत्न पंडित भवानी प्रसाद मुदगल सभागार को एयर कंडीशन्ड बनाने हेतु 2-2 टन के दो एयर कंडीशनर देने की घोषणा किशन मुदगल एवं विनोद कटारे द्वारा की गई। आगामी 20 अप्रैल 2026को भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम हेतु बसंत खेमरिया को संयोजक मनोनीत किया गया। अध्यक्ष द्वारा सहयोग करने हेतु सभी आदरणीय साथियों को धन्यवाद दिया गया है।

06 अप्रैल को आयोजित बैठक में किशन मुदगल, महेश मुदगल, एमडी पाराशर, डॉ. केशव पाण्डेय, रामबाबू कटारे, अंबिका प्रसाद पचौरी, अशोक पटसरिया, प्रेम पचौरी, बद्रीनारायण शुक्ला, महेंद्र पटसरिया, बसंत खेमरिया, विनोद कटारे, प्रकाश नारायण शर्मा, राकेश नायक, राजेश नायक, देवेंद्र दुबे, भानूप्रकाश व्यास, कैलाश मुदगल, संजय शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, धन्नू, भगवान स्वरूप शुक्ल, महेंद्र शुक्ला, रामस्वरूप सैंथिया, भारत भूषण शर्मा, कमलेश शर्मा, सतीश शर्मा, पद्मनारायण शर्मा, अतुल पाण्डेय, नरेंद्र शुक्ला, जीतेन्द्र शर्मा, राकेश दीक्षित, रमाशंकर मिश्रा, ऋषिकेश दत्त मिश्रा, शशिकांत नायक, राम अवतार पाठक, पं. प्रमोद बिरथरेया, लोकेश पचौरी, सुनील शुक्ला, दुर्गेश दीक्षित आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी राकेश दीक्षित कार्यालय मंत्री ने दी।

चहुंओर माफियाराज, कैसे होगा प्रदेश का भला : डा. गोविंद सिंह

– भिण्ड, मुरैना की जीवनदायिनी सिंध व चंबल नदी भी सुरक्षित नहीं

– 10 साल में 40 से ज्यादा हुई हत्या

ग्वालियर। बीजेपी के शासनकाल में जो माफियाराज चल रहा है उससे हर कोई भयभीत है। रक्षक भी सुरक्षित नहीं है तो आमजन का क्या होगा? हकीकत में कानून राज चौपट हो गया है। हर क्षेत्र में माफियाराज चल रहा है। कांग्रेस ऐसे शासनकाल की कड़ी निंदा करती है, वहीं मुख्यमंत्री से मांग करते है कि सरकार जनहितैशी होकर कार्य करें। भले ही कोई भी दोषी हो उसको सजा मिलनी चाहिये। यह बात पूर्व मंत्री एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष डा. गोविंद सिंह ने गुरूवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये कही।

पूर्व मंत्री डा. गोविंद सिंह एवं राज्यसभा सांदस अशोक सिंह ने पत्रकारों से कहा कि ग्वालियर अंचल में सर्वाधिक रेत का उत्खनन जारी है। सिंध एवं चंबल नदी को छलनी कर दिया है। जब जब खनिज, वन विभाग और प्रशासन कार्यवाही करता है तभी रसूखदार के कारिंदे खून के प्यासे हो जाते है। आलम यह है कि केवल दस साल में रेत मफिया 50 लोगों की मौत का कारण बन चुके है। भिण्ड में 19 लोगों की जान ले चुके हैं। जबकि मुरैना जिले में 13 लोगों के कुचलकर काल के गाल में पहुंचा दिया है। इसी तरह दतिया भी सुरक्षित नहीं है। घटनायें घट रही है पुलिस अपना हिस्सा ले रही है। उन्होंने मच्छण्ड चौकी का उदाहरण देते हुये कहा कि यहां से 200 से 300 ट्राली रेत का परिवहन होता है। हर ट्राली पर चौकी को पांच हजार का हिस्सा मिलता है और जब कोई किसान या आमजन रेत लेने पहुंचता है तो उसे पकड़कर जेल भेज दिया जाता है तथा वाहन जब्त कर लिया जाता है। आखिर प्रदेश का भला कैसे होगा। किसानों की हितैषी कहने वाली सरकार किसानों को भी भला नहीं कर रही है। चहुंओर माफियाराज को बीजेपी के मंत्री का भरपूर संरक्षण है तो कैसे क्या होगा। पत्रकारवार्ता में वासुदेव शर्मा, आरपी सिंह एवं जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव उपस्थित थे।

नौ वर्षीय बालिका से दुष्कर्म, आरोपी पकड़ा

ग्वालियर। ताऊ को खेत पर खाना देने गई नौ वर्षीय बालिका से एक युवक ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी से बचने बालिका भईया-भईया कहकर उसके हाथ जोड़ती रही, लेकिन आरोपी को उस पर रहम नहीं आया और वह मासूम को नोंचता रहा। घटना बिजौली थाना क्षेत्र के सुपावली में बुधवार शाम की है। वारदात के बाद आरोपी बालिका को धमकाकर चला गया। वारदात की शिकार पीड़िता रोते-रोते घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। जिस पर परिजन बालिका को लेकर थाने पहुंचे और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को दबोच लिया है।

बिजौली थाना क्षेत्र के सुपावली निवासी नौ वर्षीय बालिका छात्रा है। बीते रोज वह खेत पर काम कर रहे ताऊ को खाना देने के लिए गई थी। खाना देने के बाद बालिका वहीं पर खेलने लगी और ताऊ अपने काम में व्यस्त हो गए। इसी बीच वहां से निकल रहे रामवीर जाटव ने बालिका को अकेला देखा तो उसे बहलाकर एकांत स्थान पर ले गया और गलत हरकत करना शुरू कर दिया। जब छात्रा ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी और गलत काम किया। आरोपी की हरकत देखकर बालिका ने उससे रहम की भीख मांगी और भईया छोड़ दो की गुहार लगाती रही, लेकिन आरोपी पसीजा नहीं। वारदात के बाद आरोपी वहां से भाग गया। घटना की शिकार पीड़िता घर पहुंची और परिजनों को जानकारी दी। परिजन बालिका को लेकर थाने पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने बालिका की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

फेसबुक फ्रेंड ने होटल में बुलाकर किया दुष्कर्म

बातचीत करने के लिए होटल बुलाकर फेसबुक फ्रेंड ने महिला के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। दुष्कर्म करने के बाद आरोपी महिला को बदनाम करने की धमकी देकर उसका शोषण करने लगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरक्षा विहार मुरार निवासी 37 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि मार्च 2025 में उसकी फेसबुक पर मुरैना निवासी विक्की जाटव पुत्र गब्बर जाटव से दोस्ती हुई। इसके बाद उनके बीच बातचीत होने लगी और इसके बाद जुलाई 2025 में विक्की ने उसे कैफे में बुलाया और इसके बाद होटल कंचन पैलेस में बुलाया। जहां पर उसने बेटे को जान से मारने की धमकी देकर रेप किया। इसके बाद वह उसे बदनाम करने की धमकी देकर शोषण करता रहा। अब वह शोषण से तंग आ गई और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

वायु प्रदूषण व स्मोकिंग से हो रहे फेफड़े खराब: डॉ. जिंदल

– खांसी व सांस फूलना इसके प्रमुख लक्षण

– बचाव के लिये मास्क ही एक एकमात्र उपाय

ग्वालियर। लंबे समय से खांसी और सांस फूलती हो साथ ही फेफड़ों का एक्सरे जरूर करा लें, क्योंकि फेफड़े खराब हो सकते है। यह बात फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के वरिष्ठ चिकित्सा डा प्रमोद जिंदल ने गुरूवार को हिन्दुस्तान एक्सप्रेस से चर्चा करते हुये कही।

डा. जिंदल ने बताया कि लंग और चेस्ट के इलाज में काफी नई तकनीकी आ चुकी है और दिनोंदिन इलाज

एडवांस हो रहे है। लेकिन बीमारी भी बढ़ रही है। स्मोकिंग और वायु प्रदूषण के चलते फेफड़े खराब हो रहे हैं। इसीलिये मास्क जरूर लगाये। यदि 15 दिन से ज्यादा समय तक खांसी रहती है। सांस फूलती है साथ ही कमजोरी महसूस होती है तो फेफड़ों का एक्सरे जरूर करा लें। जिससे समय रहते अच्छा इलाज हो सकें। फेफड़े खराब होने पर आक्सीजन लेबल कम हो जाता है। रक्त में प्रोपर आक्सीजन नहीं पहुंच पाती। ऐसे में एनीमिया जैसी कई गंभीर समस्या आना शुरू हो जाती है। इसी समस्या को ध्यान में रखकर ग्वालियर एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों तक अपनी सेवायें पहुंचाने के उददेश्य से प्रत्येक महीने के दूसरे गुरूवार को सुबह 1 बजे से दोपहर 2 बजे तक परिवार हास्पीटल में बीएलके मैक्स हास्पीटल विशेषज्ञों द्वारा इलाज किया जायेगा। साथ ही फोरेंसिक सर्जरी एवं लंग ट्रांसप्लांट की विशेष ओपीडी हुआ करेगी।

तीन दिन में दो बार बदले आदेश, एक ही व्यक्ति के बार-बार

– मामला मेंटल हास्पीटल और मर्सीहोम का

ग्वालियर। ग्वालियर मानसिक आरोग्यशाला के संचालक इस समय अपने ही आदेश निर्देश एवं कार्यवाही में फंस गये हैं। वह बार बार एक ही व्यक्ति के आदेश जारी कर रहे है। केवल तीन दिन में दो बार आलोक सैनी डार्क रूम असिस्टेंट की डयूटी बदली जा चुकी है। अब मर्सीहोम में प्रति सप्ताह मंगल, गुरू एवं शनिवार को लगाई है। जबकि पूर्व में 31 मार्च के आदेशानुसार एएनएम श्रीमती सीमा खिस्ते के सेवानिवृत्त होने के कारण कार्य की सुविधा दृष्टि से प्रति सप्ताह मंगल, गुरू एवं शनिवर को मर्सीहोम में कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

मजेदार बात तो यह है कि जब आरोग्यशाला के एक्सरे विभाग में एक्सरे मशीन ही खराब हैं तो फिर वहां क्या कार्य कराया जा रहा है और वेतन कैसे निकल रहा है। फिलहाल मामला और उलझ गया है। उधर सर्वमानव कल्याण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानुप्रताप चौरसिया ने उपरोक्त आदेशों एवं कार्यवाही पर सवालियां निशान लगाते हुये गुरूवार को दो सूत्रीय ज्ञापन संभागीय कमिश्नर के नाम लिपिक को सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया है कि संचालक स्वयं दोषी है। ऐसे में वह संघटन से गवाह सबूत आदि के लिये मांग नहीं कर सकता। दूसरी बात संघटन की जानकारी रजिस्ट्रार एवं फर्म सोसायटी से मांगी जा सकती है। ठसके लिये हर कोई स्वतंत्र है।

डार्क रूम असिस्टेंट को जानबूझकर प्रताड़ित किया जा रहा: संघ

सर्वमानव कल्याण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानुप्रताप चौरसिया ने मानसिक आरोग्यशाला के संचालक पर डार्क रूम असिस्टेंट को जान बूझकर प्रताड़ित किये जाने के आरोप लगाये है। श्री चौरसिया का कहना है कि आलोक सैनी न्यूरोलाजी पेशेंट है और वह बार बार अपने भुगतान की मांग कर रहा ह। जबकि संचालक द्वारा डयूटी से लेकर हर क्षेत्र में निंदनीय शब्दों का प्रयोग कर रहे है और जान बूझकर मर्सीहोम में डयूटी लगाई गई है।

चेकिंग में नाबालिग को पिस्टल के साथ पकड़ा

ग्वालियर। चेकिंग में गोला का मंदिर थाना पुलिस ने एक नाबालिग बदमाश को पकड़ा है। पकड़े गए नाबालिग से तलाशी में एक पिस्टल मिली है। पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ करना शुरू कर दिया है।

गोला का मंदिर थाना प्रभारी धर्मेन्द्र यादव ने बताया कि बीती शाम पुलिस टीम इलाके का गश्त करते हुए मेला ग्राउण्ड स्थित टावर के पास पहुंची तो एक नाबालिग खड़ा दिखाई दिया। संदेह होने पर उससे पूछताछ की तो वह घबराने लगा। उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक पिस्टल व जिन्दा राउण्ड बरामद हुए हैं। पिस्टल बरामद होते ही पुलिस ने संदेही को हिरासत में लेकर थाने लाए और उसके खिलाफमामला दर्ज कर पूछताछ करना शुरू कर दिया है।

जमीनी विवाद पर हवाई फायरिंग करने वाले तीन आरोपी पकड़े

– वारदात में प्रयुक्त एक 12 बोर रायफल, एक 315 बोर की बंदूक जब्त

ग्वालियर। जमीनी विवाद पर बंदूकों से हवाई फायर कर धमकी देने वाले तीन आरोपियों को डबरा सिटी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त एक 12 बोर रायफल, एक 315 बोर की बंदूक व दो जिंदा राउंड जब्त किये है। पुलिस बदमाशों से पूछताछ कर रही है।

थाना प्रभारी डबरा सिटी संजय शर्मा ने बताया कि डबरा गांव वार्ड नंबर 03 निवासी साहब सिंह बघेल 3 अप्रैल की शाम को अपने पिताजी के साथ घर के बाहर बैठा हुआ था।

तभी योगेश दुबे, ओम दुबे, अनिल चौहान एवं लखन मंडेलिया आये और जमीन के विवाद पर हवाई फायर किये। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की तलाश उनके छिपने के संभावित जगहों पर की गई तथा मुखबिर सूचना पर से आरोपीगण ओम उर्फ अभिषेक दुबे पुत्र राजेश दुबे उम्र 28 साल निवासी वार्ड क्रमांक 03 डबरा गांव, अनिल चौहान पुत्र मानसिहं चौहान उम्र 23 साल व लखन मंडेलिया पुत्र रिंकू मंडेलिया उम्र 24 साल निवासी अयोध्या कॉलोनी डबरा गांव को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उनके द्वारा अपराध करना स्वीकार किया गया। पकड़े गये आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस को उनके पास से घटना में प्रयुक्त एक 12 बोर रायफल (बन्दूक) एवं एक 315 बोर की बंदूक और दो जिंदा राउंड एक 12 बोर व एक 315 बोर मिले है। पुलिस बदमाशों से पूछताछ कर रही है।

सफाई कर्मचारी पर जानलेवा हमला, बाइक सवारों ने मारे चाकू

ग्वालियर। सफाई करने के लिए जा रहे कर्मचारी पर बाइक से आए तीन अज्ञात बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। दो चाकू सफाई कर्मचारी को सीने व हाथ में लगे हैं। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के बाबा कपूर छोटा बाजार में गुरुवार की तड़के करीब पांच बजे की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां पर उसकी गंभीर हालत देखकर जेएएच रेफर किया गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है।

ग्वालियर थाना क्षेत्र के लधेड़ी मछली मंडी के पास रहने वाले 46 वर्षीय धर्मेन्द्र बालुआ पुत्र हरिबाबू बालुआ सफाई कर्मचारी है और उसकी किलागेट पर ड्यूटी चल रही है। रोजाना की तरह गुरुवार की सुबह भी धर्मेन्द्र सफाई करने के लिए निकला था। अभी वह बाबा कपूर छोटा बाजार पहुंचा ही था कि तभी बाइक से तीन युवक आए और कुछ दूरी पर बाइक खड़ी कर पैदल उसके पास पहुंचे और एक बदमाश ने उसके सीने पर चाकू मारा। अचानक हुई घटना से वह समझ नहीं पाया और चाकू उसके सीने में लगा। इसी बीच दूसरे बदमाश ने उस पर चाकू मारा तो वह सतर्क था और अपने स्थान से हट गया। जिससे चाकू उसके हाथ में लगा।

चाकू लगने के बाद आरोपी वहां से भाग निकले। घायल ने शोर मचाया तो वहां से निकल रहे लोग एकत्रित हो गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल धर्मेन्द्र को उपचार के लिए पहुंचाया। जहां पर उसकी हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने उसे जेएएच रेफर कर दिया है। पुलिस ने घायल से पूछताछ की तो उसका कहना है कि उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। लेकिन चाकू मारने वाले बदमाश पैसे लौटाने की बात कह रहे थे। अब पुलिस सीसीटीवी खंगाल कर आरोपियों की तलाश में लग गई है।

एनएसयूआई के स्थापना दिवस पर रन फार ड्रग फ्री मध्यप्रदेश मैराथन हुई

– हजारों युवाओं ने लिया हिस्सा

ग्वालियर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर ग्वालियर में रन फार ड्रग फ्री मध्यप्रदेश हाफमैराथन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अभिमन्यु पुरोहित एवं प्रदेश सचिव रामसेवक गुर्जर के संयोजन में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत एमएलबी कॉलेज गेट पर झंडावंदन के साथ हुई। इसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मैराथन एमएलबी कॉलेज गेट से प्रारंभ होकर मोती तबेला स्थित गुरुद्वारा के पास जाकर सम्पन्न हुई, जिसमें हजारों की संख्या में युवाओं, छात्रों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि नशा आज युवाओं के भविष्य के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है, जिसके खिलाफ समाज को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने कहा कि युवाओं की यह भागीदारी नशा मुक्त समाज की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। मैराथन के विजेताओं में बॉयज वर्ग प्रथम दिव्यांश तोमर, द्वितीय पुकेश्वर लाल, तृतीय शुभम कुमार और गर्ल्स वर्ग प्रथम संध्या राजपूत, द्वितीय मनीषा, तृतीय खुशी सरोज रहीं। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस महासचिव सुनील शर्मा, एनएसयूआई पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री रश्मि पवार शर्मा, यूथ कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव हेवरन कंषाना एवं एनएसयूआई के मुख्य प्रवक्ता ईशान प्रताप सिंह चौहान ने इनाम वितरित किए। इसके अतिरिक्त कांग्रेस सेवा दल जिला अध्यक्ष हरेंद्र गुर्जर, वरिष्ठ नेता तरुण यादव सहित अनेक कांग्रेसजन एवं कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए। अंत में आयोजनकर्ता एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अभिमन्यु पुरोहित ने आभार व्यक्त किया।

सेनेटरी स्टोर की दीवार तोड़कर साढ़े तीन लाख का माल ले गए चोर

ग्वालियर। एक सेनेटरी स्टोर की दीवार तोड़कर चोर करीब साढ़े तीन लाख रुपए कीमत का माल समेट ले गए। घटना थाटीपुर थाना क्षेत्र जीवाजी नगर की है। घटना का पता सुबह चला जब पीड़ित स्टोर पर पहुंचे तो दीवार टूटी हुई थी और सामान गायब था। मामले का पता चलते ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

थाटीपुर थाना क्षेत्र के शकुन्तलापुरी निवासी 32 वर्षीय राहुल कुमार पुत्र अनिल कुमार काकोरिया व्यवसायी हैं और उनकी नाइन टू नाइन मायकेयर नाम से सेनेटरी स्टोर की शॉप है। जिसमें उनके पार्टनर पवन जैन हैं। रोजाना की तरह बीती रात वह स्टोर का काम खत्म कर घर चले गए थे। सुबह जब वह स्टोर खोलने पहुंचे तो मेन गेट का लॉक टूटा पड़ा हुआ था और अंदर पहुंचे तो स्टोर की दीवार टूटी पड़ी थी। अंदर झांका तो काफी सामान गायब था। मामला समझ में आते ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने जब वहां पर लगे सीसीटीवी खंगाले तो वारदात को अंजाम देते हुए दो चोर कैद हुए हैं। अब पुलिस फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में लग गई है। पुलिस अफसरों का कहना है कि जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

हत्या के मामले में दो आरोपी पकड़े

ग्वालियर। समधी की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में थाटीपुर थाना पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा है। इस मामले में समधी व उसके बेटे तथा भतीजा पूर्व में पकड़ा जा चुका है। अब इस मामले में सिर्फएक आरोपी पकड़ा जाना रह गया है।

थाना प्रभारी थाटीपुर विपेन्द्र सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि मुरार में हुई राजेन्द्र सिंह गुर्जर निवासी डबका हस्तिनापुर की हत्या के मामले में फरार दो आरोपी मेरे सिंह गुर्जर पुत्र रामेश्वर सिंह गुर्जर निवासी वीरमपुरा और अरविन्द पुत्र पुलंदर सिंह गुर्जर निवासी वीरमपुरा विश्वविद्यालय इलाके में देखे गए है। इसका पता चलते ही पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तारी में लिया है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर इस मामले में पाऊरार आरोपी रूकवेन्द्र के पकड़ा जाना रह गया है। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपी पुलंदर सिंह गुर्जर, रामू गुर्जर, सुनील सिंह गुर्जर और लवकुश गुर्जर को पुलिस ने पकड़ा था। उल्लेखनीय है कि डबका निवासी राजेन्द्र सिंह की बेटी की शादी पुलंदर गुर्जर के बेटे से हुई थी। पुलंदर व उसके परिजन उसे परेशान करते थे, जिसका विवाद चल रहा था। बीते माह जब राजेन्द्र अपने गांव से मुरार आ रहा था तो पुलंदर व उसके बेटों ने अपने साथियों के साथ उसे घेरकर पीट-पीटकर अधमरा कर दिया था। जिस पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था।

छात्राओं की शिकायत पर कुलसचिव ने देखी समस्याएं, कराया निराकरण

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय के खेल विभाग के छात्र

छात्राओं ने कुलसचिव डॉक्टर राजीव मिश्रा को खेल विभाग की समस्याओं से अवगत कराया। कुलसचिव डॉ राजीव मिश्रा ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और तुरंत विश्वविद्यालय यंत्री विश्व रंजन गुप्ता व सुरक्षा प्रभारी अमित सिसोदिया को लिया और स्पोर्ट्स विभाग पहुंचकर मौके पर कई समस्याओं का निराकरण कराया। इस अवसर पर प्रमुख समस्या छात्राओं के लिए टॉयलेट की सेपरेट व्यवस्था करना, ग्राउंड की जाली को दुरुस्त करना और खेल के सामान की खरीदारी करना थीं ।

इस अवसर पर राजीव मिश्रा ने वर्षों से बंद पड़े एक टॉयलेट को खाली कराया और चेंजिंग रूम खाली कराया, उसे छात्राओं के लिए आवंटित किया। साथ ही उनमे मिली कमी को पूरा करने के निर्देश दिए। वाटर कूलर में आरओ लगवाने के लिए प्रस्ताव बनाने को कहा। खेल का सामान खरीदने के लिए निर्देश दिए। क्लास में पंखे लगवाने के निर्देश दिए।साथ ही ग्राउंड के चारों तरफलगी जाली को सुधरवाने के लिए निर्देश दिए व स्वयं जाकर उन्होंने उसका निरीक्षण किया। इस अवसर पर कुलसचिव ने सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए की कोई अवांछित लोग प्रवेश न करें। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए ग्राउंड हमेशा खाली रहे। ऐसी व्यवस्था की जाएगी अगर ग्राउंड किसी को आवंटित भी करना है तो अवकाश के दिनों में करें।

पंच दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ आज से

ग्वालियर। शहर के लक्ष्मीबाई कॉलोनी स्थित कम्युनिटी हॉल में 10 से 14 अप्रैल 2026 तक पंच दिवसीय गीता ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस आध्यात्मिक आयोजन का उद्देश्य जन-जन तक श्रीमद भगवदगीता के ज्ञान, उसके जीवनोपयोगी संदेश और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है।

यह आयोजन वैशाख कृष्ण पक्ष की अष्टमी (शुक्रवार) से द्वादशी (मंगलवार) तक, विक्रम संवत 2083 के अंतर्गत संपन्न होगा। प्रतिदिन सायंकाल 5 बजे से 8 बजे तक गीता स्वाध्याय एवं प्रवचन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के दौरान अंतिम दिवस 14 अप्रैल को प्रातः विशेष रूप से अखण्ड गीता पाठ, हवन होगा एवं सायंकाल प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। इस दिन श्रद्धालु पूरे दिन आध्यात्मिक वातावरण में रहकर गीता के दिव्य संदेश का श्रवण एवं मनन कर सकेंगे। इस आयोजन में कथा व्यास के रूप में सुप्रसिद्ध गीता मनीषी एवं विश्व गीता प्रतिष्ठान के केन्द्रीय महामन्त्री डॉ. विष्णु नारायण तिवारी अपनी ओजस्वी वाणी से गीता के गूढ़ रहस्यों को सरल और व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत करेंगे। उनके प्रवचनों से श्रोताओं को जीवन में धर्म, कर्म और भक्ति के संतुलन को समझने का अवसर मिलेगा। गीता के ज्ञानयोग, कर्मयोग और भक्तियोग के मर्म की सरल व्याख्या की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन लक्ष्मी बाई कॉलोनी रेजीडेंट्स एसोसिएशन एवं समस्त गीता स्वाध्याय मंडल, ग्वालियर द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। आयोजकों अलकेश त्रिपाठी, इंजी. एसके गुप्ता, कालीचरण शर्मा, धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि इस आयोजन में देश के विभिन्न भागों से गीता प्रेमी सज्जनों का आगमन होगा।

शक्ति वंदन पखवाडा आज से

ग्वालियर। मध्यप्रदेश में 10 से 25 अप्रैल तक नारी शक्ति वंदन पखवाड़े को उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इस पखवाड़े के दौरान आमजनों को नारी शक्ति वंदन अधिनियम से परिचित कराया जाएगा। नारी शक्ति वंदन पखवाड़े के तहत मुख्य कार्यक्रम का आयोजन भोपाल स्थित हंसध्वनि सभागार रविन्द्र भवन में होगा। जबकि प्रदेश के सभी जिलों में विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने ग्वालियर में ÷नारी शक्ति वंदन÷ पखवाड़े की तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। कलेक्टर के निर्देशानुसार नारी शक्ति पदयात्रा का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें जिले की प्रबुद्ध महिलाएं भी शामिल रहेंगी। युवाओं के द्वारा नारी शक्ति वंदन दीवार तैयार की जाएगी, जिसमें नारी शक्ति के लिए संदेश लिखे जाएंगे।

न्यायालय नायब तहसीलदार वृत्त सुपावली, तहसील मुरार, जिला ग्वालियर (म.प्र.)

0008/अ-20(5)/2025-26 मुरार, दिनांक 08.04.2026

:: विज्ञप्ति ::

धरणी गौ कृषि समृद्धि विकास कल्याण समिति 5728 म.नं. परिमल कॉम्प्लेक्स चेतकपुरी गेट के पास लश्कर ग्वालियर
बनाम
मध्यप्रदेश

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धरणी गौ कृषि समृद्धि विकास कल्याण समिति 5728 म.नं. परिमल कॉम्प्लेक्स चेतकपुरी गेट के पास लश्कर ग्वालियर द्वारा ग्राम रतवाई के सर्वे क्रमांक 584, 593, 592, 590, 50, 583 कुल रकवा 12.9500 है. का श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय के प्र.क्रं. 0008/अ-20(5)/2025-26 भूमि आवंटन करने बावत आवेदन इस न्यायालय में पेश किया गया।

अतः उक्त सर्वे क्रमांक 584, 593, 592, 590, 50, 583 कुल रकवा 12.9500 हे. के भूमि आवंटन संबंध में यदि किसी संस्था/सहखातेदार/अन्य को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में नियत दिनांक 16.04.2026 तक प्रस्तुत कर सकते है, नियत दिनांक के उपरान्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही कर आदेश पारित कर दिया जावेगा।

नायब तहसीलदार
वृत्त सुपावली तहसील मुरार

संपादकीय

सकल घरेलू उत्पाद से नहीं, सकल राष्ट्रीय खुशी के सूचकांक से देश चलाते हैं

अगर हम आज कोई एक ऐसा चुनाव कर सकें, जिससे यह पक्का हो जाए कि हम अपनी पूरी जिंदगी खुश और स्वस्थ रहेंगे, तो हम किसका चयन करेंगे? हममें से ज्यादातर लोग सोचते हैं कि इसका कुछ लेना-देना अमीर बनने या बहुत कुछ हासिल करने से है, लेकिन हावर्ड अध्ययन के शोध बताते हैं कि दूसरे लोगों के साथ अपने रिश्तों में निवेश करना हमारी खुशी का सबसे बड़ा कारण बनता है।

जिन लोगों के रिश्ते सबसे खुशहाल और गर्मजोशी भरे थे, वे ही लोग सबसे लंबे समय तक स्वस्थ रहे और सबसे ज्यादा जिए। हमारी लगभग पचास फीसद खुशी एक तरह का जैविक तौर पर निर्धारित बिंदु है, जो शायद हमारी कोशिकाओं द्वारा तय होता है। इसका संबंध जन्मजात स्वभाव से है। हम ऐसे कई लोगों को जानते हैं जो स्वाभाविक रूप से उदास रहते हैं और दूसरे लोग जो स्वाभाविक रूप से खुशमिजाज होते हैं, चाहे कुछ भी हो रहा हो। यानी हमारी लगभग आधी खुशी वह जन्मजात स्वभाव है। लगभग दस फीसद हमारी मौजूदा जिंदगी की परिस्थितियों पर आधारित है। आखिरी चालीस फीसद हमारे नियंत्रण में है।

लोगों द्वारा की जाने वाली सबसे बड़ी गलतियों में से एक खुशी और खुशी की भावनाओं को भ्रमित करना है। खुशी कोई भावना नहीं है। भावनाएं खुशी का सबूत हैं। भावना बाहरी दुनिया के बारे में जानकारी से ज्यादा कुछ नहीं है। जो लोग सेहतमंद और खुश होते हैं, उनके जीवन में तीन तत्त्व समान हैं - आनंद, संतुष्टि और अर्थ।

आनंद एक ऐसी चीज है, जिसके बारे में लोग कम समझते हैं

आनंद एक ऐसी चीज है, जिसके बारे में लोगों को लगता है कि वे इसे समझते हैं, लेकिन अक्सर ऐसा नहीं होता। यह ऐसा कुछ नहीं है, जो वास्तव में खुशी की ओर ले जाता है। आनंद उससे कहीं अधिक जटिल है। खुशी का दूसरा सूक्ष्म तत्त्व संतुष्टि है। संतुष्टि एक वास्तविक रहस्य है, क्योंकि यह वह खुशी है जो हमें किसी चीज के लिए संघर्ष करने के बाद मिलती है। अगर हम पर्याप्त संघर्ष नहीं करते, तो यह मीठा नहीं होता।

अंतिम, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात है - अर्थ। क्या हम उन चीजों को करने के लिए पैसा खर्च करते हैं, जो हम सचमुच करना चाहते हैं? समय और पैसा आमतौर पर साथ-साथ चलते हैं, लेकिन अच्छे तरीके से नहीं। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि लोग जितना ज्यादा पैसा कमाते हैं, उन्हें लगता है कि उनके पास उतना ही कम समय है।

शोध बताते हैं कि आय आमतौर पर खुशी बढ़ाती है, लेकिन ज्यादा आय के स्तर पर इसका प्रभाव कम हो जाता है, साथ ही वित्तीय सफलता पर ध्यान केंद्रित करने से जीवन की संतुष्टि कम हो सकती है। पैसा तनाव कम करता है और सुरक्षा प्रदान करता है, लेकिन एक बार जब हम आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस करते हैं, तो इसका प्रभाव कम हो जाता है। यह हमें सदियों पुराने सवाल पर लाता है कि क्या पैसा खुशी खरीद सकता है!

दरअसल, यह तभी हो सकता है, जब हम थोड़े पैसे से थोड़ा समय खरीद सकें। सरल शब्दों में, चाहे हम कितना भी कमाएं, चाहे हम कितने भी अमीर हों, थोड़ा समय खरीदना हमको ज्यादा खुश करता है। समय खरीदने की कुंजी यह है कि हम सोच-समझ कर तय करें कि हम अपने पैसे से जो समय बचाएंगे, उसका इस्तेमाल कैसे करेंगे।

समय खरीदना हमें तभी ज्यादा खुश करेगा, जब यह जानबूझ कर और उद्देश्यपूर्ण लगे। इसलिए नहीं कि हमारे पास समय नहीं है, बल्कि इसलिए कि हम अपने पास मौजूद समय का अलग तरह से इस्तेमाल करना चाहते हैं। एक बार किसी पत्रकार ने भूटान के राजा रहे जिग्मे सिंग्ये वांगचुक से पूछा कि आपके देश का सकल घरेलू उत्पाद इतना कम क्यों है।

विज्ञान मेले से लेकर विज्ञान की सीमा तक: कल के खोजों के लिए युवा दिमाग का पोषण

> विज्ञान मेले से लेकर विज्ञान की सीमा तक का परिवर्तन तब होता है जब जिज्ञासा अवसर से मिलती है। आज, छात्रों को ऐसे उपकरणों और प्लेटफार्मों तक पहुंच प्राप्त है जिनके बारे में पिछली पीढ़ियां केवल सपने ही देख सकती थीं। इंटरनेट, ऑनलाइन प्रयोगशालाओं और ओपन–सोर्स प्रौद्योगिकियों के साथ, एक छोटी स्कूल परियोजना कुछ प्रभावशाली हो सकती है।

डॉ विजय गर्ग

विज्ञान मेले लंबे समय से स्कूल जीवन का एक परिचित और रोमांचक हिस्सा रहा है। हस्तनिर्मित मॉडलों की पंक्तियां, रंगीन आरेखों से भरे चार्ट, और उत्सुक न्यायाधीशों को अपने विचार समझाने वाले उत्साही छात्र – ये क्षण जिज्ञासा और रचनात्मकता की भावना को पकड़ते हैं। लेकिन आज की तेजी से आगे बढ़ रही दुनिया में, विज्ञान मेले अब सिर्फ स्कूल के कार्यक्रम नहीं रहे; वे ऐसे कदम हैं जो युवा दिमाग को कक्षा प्रयोगों से लेकर वास्तविक वैज्ञानिक खोज की सीमा तक ले जा सकते हैं।विज्ञान मेले अपने मूल में जिज्ञासा पैदा करते हैं। एक सरल प्रश्न–आकाश का रंग क्यों बदलता है? हम पानी कैसे बचा सकते हैं? क्या मशीनें मनुष्यों की तरह सोच सकती हैं?–अन्वेषण की यात्रा को जन्म दे सकती हैं। जब छात्र परियोजनाओं के माध्यम से ऐसे प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास करते हैं, तो वे वैज्ञानिकों की तरह सोचने लगते हैं। वे अवलोकन, परिकल्पना, प्रयोग और निष्कर्ष निकालना सीखते हैं। ये सिर्फ शैक्षणिक कौशल नहीं हैं; ये जीवन कौशल हैं जो आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताओं को आकार देते हैं।

विज्ञान मेले से लेकर विज्ञान की सीमा तक का परिवर्तन तब होता है जब जिज्ञासा अवसर से मिलती है। आज, छात्रों को ऐसे उपकरणों और प्लेटफार्मों तक पहुंच प्राप्त है जिनके बारे में पिछली पीढ़ियां केवल सपने ही देख सकती थीं। इंटरनेट, ऑनलाइन प्रयोगशालाओं और ओपन-सोर्स प्रौद्योगिकियों के साथ, एक छोटी स्कूल परियोजना कुछ प्रभावशाली हो सकती है। सौर ऊर्जा का प्रदर्शन करने वाला एक मॉडल गांवों में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली एक वास्तविक पहल में बदल सकता है। एक साधारण कोडिंग परियोजना एक ऐसे ऐप में विकसित हो सकती है जो स्थानीय समस्याओं का समाधान करता है। संभावनाएं अनंत हैं।

इस परिवर्तन में शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। केवल अंक और प्रस्तुति पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, शिक्षकों को मौलिकता और प्रयोग को प्रोत्साहित करना चाहिए। एक परियोजना जो असफल हो जाती है, लेकिन मूल्यवान सबक सिखाती है, वह उस परियोजना से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होती है जो परिपूर्ण है, लेकिन नकल की गई है। मार्गदर्शन, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन छात्रों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़ने और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का पता लगाने में मदद कर सकता है।

माता-पिता भी इस यात्रा में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। अपने बच्चों की जिज्ञासा को बढ़ावा देकर - चाहे वह संसाधन, समय या केवल प्रोत्साहन प्रदान करना हो - वे आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करते हैं। जो बच्चा समर्थन महसूस करता है, वह जोखिम उठाने, प्रश्न पूछने और स्वतंत्र रूप से सोचने की अधिक संभावना रखता है।

संस्थाओं और नीति निर्माताओं की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। स्कूलों को प्रयोगशालाओं, नवाचार केंद्रों और वैज्ञानिक संगठनों के साथ सहयोग में निवेश करना चाहिए। प्रतियोगिताओं में रचनात्मकता और समस्या समाधान को पुरस्कृत किया जाना चाहिए, न कि रट-लर्निंग को। ऐसे कार्यक्रम जो छात्रों को वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों से जोड़ते हैं, स्कूल स्तर के विज्ञान और उन्नत अनुसंधान के बीच की खाई को पाट सकते हैं।

भारत में, स्ज्ञश्वरू शिक्षा को बढ़ावा देने वाली पहल पहले से ही आगे बढ़ रही है। हालाँकि, यह सुनिश्चित करने की अभी भी आवश्यकता है कि ये अवसर ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश के हर कोने तक पहुंचें। प्रतिभा भौगोलिक सीमा तक सीमित नहीं है; इसे चमकने के लिए केवल सही मंच की आवश्यकता होती है।

विज्ञान मेले से लेकर विज्ञान की सीमा तक का सफर सिर्फ भविष्य के वैज्ञानिकों को तैयार करने का नहीं है। यह एक ऐसी पीढ़ी का पालन-पोषण करने के बारे में है जो जिज्ञासु, नवीन और कल की चुनौतियों को हल करने में सक्षम हो - चाहे वह स्वास्थ्य देखभाल, पर्यावरण, प्रौद्योगिकी या अन्य क्षेत्र में हो।

हर महान खोज एक साधारण विचार के रूप में शुरू हुई थी। और इनमें से कई विचार कक्षाओं में, स्कूल के विज्ञान मेलों की छोटी मेजों पर पैदा हुए थे। इन शुरुआतों को पोषित करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आज के युवा दिमाग कल के अग्रणी बन जाएं, ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाएं और एक बेहतर दुनिया का आकार दें।

कार्डबोर्ड ट्राइ-फोल्ड्स से भरे स्कूल जिमनाजियम से वैश्विक अनुसंधान प्रयोगशाला के अत्याधुनिक स्तर तक की यात्रा सिर्फ एक कैरियर पथ से कहीं अधिक है। यह एक मानसिकता का विकास है। बचपन में यह जिज्ञासा कि रोटी क्यों बनती है या चुंबक किस प्रकार विकर्षण करते हैं, अक्सर 'विज्ञान की सीमा' में बदल जाती है, जहां मानवता अज्ञात की सीमाओं के विरुद्ध आगे बढ़ती है। 1। जिज्ञासा का बीजः विज्ञान मेला कई लोगों के लिए विज्ञान मेला वैज्ञानिक पद्धति से पहला संपर्क है। यह एक कम दांव वाला वातावरण है जो उच्च दांव वाले कौशल सिखाता है परिकल्पना परीक्षणः यह सीखना कि कोई विचार उतना ही अच्छा है जितना उसका समर्थन करने वाला डेटा। असफलता के माध्यम से लचीलापनः यह पता लगाना कि एक 'असफल' प्रयोग वास्तव में एक सफल डेटा बिंदु है। संचारः जटिल अवलोकनों को एक ऐसी कथा में ढालना जिसे कोई न्यायाधीश या सहकर्मी समझ सके। इस स्तर पर, 'सीमा' व्यक्तिगत है। एक छात्र जरूरी नहीं कि दुनिया के लिए कुछ नया खोज रहा हो, लेकिन वह अपने लिए कुछ नया ढूंढ रहा है। यह मौलिक चिंगारी ही है जो प्रौद्योगिकी के निष्क्रिय उपभोक्ता को उसके भावी निर्माता से अलग करती है। 2। पुलः अवलोकन से मौलिकता तक जैसे-जैसे छात्र रीजनरॉन साइंस टैलेंट सर्च या यूरोपीय संघ के युवा वैज्ञानिकों की प्रतियोगिता (ईयूसीएस) जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं, परियोजनाएं 'प्रदर्शन' से 'मूल शोध' में बदल जाती हैं द्ब

2। पुलः अवलोकन से मौलिकता तक जैसे-जैसे छात्र रीजनरॉन साइंस टैलेंट सर्च या यूरोपीय संघ के युवा वैज्ञानिकों के लिए प्रतियोगिता (ईयूसीएस) जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं, परियोजनाएं 'प्रदर्शन' से 'मूल शोध' की ओर बदल जाती हैं इस मध्यवर्ती क्षेत्र में, युवा वैज्ञानिक वास्तविक दुनिया की समस्याओं से निपटना शुरू करते हैं - प्लास्टिक खाने वाले बैक्टीरिया, सस्ता जल निस्पंदन, या अधिक कुशल कोडिंग एल्गोरिदम। वे यह पूछने से आगे बढ़ते हैं कि 'यह कैसे काम करता है?' और इस पर विचार करते हैं कि मैं इसे बेहतर कैसे बना सकता हूं उल्लेखनीय उदाहरणः कई नोबेल पुरस्कार विजेता और तकनीकी दिग्गज, जिनमें रीजेनरोन जैसी कंपनियों के संस्थापक और नासा के विभिन्न प्रमुख वैज्ञानिक शामिल हैं, अपने पेशेवर डीएनए का पता इन युवा प्रतियोगिताओं से लगाते हैं। 3। विज्ञान की सीमाः वैश्विक चुनौतियों का समाधान 'साइंस फ्रंटियर' पेशेवर अनुसंधान के आधुनिक परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करता है। एकांत विज्ञान मेले परियोजना के विपरीत, सीमा को बड़े पैमाने पर सहयोग और अंतःविषय सीमाओं द्वारा परिभाषित किया जाता है।

इसलिए, विज्ञान मेले किसी परियोजना का अंत नहीं हैं। वे एक यात्रा की शुरुआत हैं।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलौट पंजाब

विश्व स्कूलों में मोबाइल फोन के साथ कैसा व्यवहार करता है

डॉ विजय गर्ग

आज के डिजिटल युग में, मोबाइल फोन छात्रों के जीवन का एक अविभाज्य हिस्सा बन गया है। हालाँकि, दुनिया भर के स्कूल अनुशासन, ध्यान और सुरक्षा की आवश्यकता के साथ प्रौद्योगिकी के लाभों को संतुलित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, विभिन्न देशों ने सख्त प्रतिबंधों से लेकर नियंत्रित उपयोग तक अनेक नीतियां अपनाई हैं।

वैश्विक प्रवृत्तिः बढ़ते प्रतिबंध

दुनिया भर में स्कूलों में मोबाइल फोन पर प्रतिबंधों में तेजी से वृद्धि हुई है। वैश्विक शिक्षा रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 114 शिक्षा प्रणालियां (लगभग 58% देश) अब स्कूलों में किसी न किसी रूप में फोन प्रतिबंध लगा रही हैं।

कुछ ही वर्षों में यह संख्या तेजी से बढ़ी है, जिससे पता चलता है कि सरकारें इनके बारे में अधिक चिंतित हो रही हैं

कक्षाओं में ध्यान भटकाना

साइबर बुलिंग और ऑनलाइन जोखिम, मानसिक स्वास्थ्य और स्क्रीन की लत, दुनिया भर में विभिन्न दृष्टिकोणों का उपयोग किया जाता है

देश एक भी नियम का पालन नहीं करते हैं। इसके बजाय, वे अपनी शिक्षा प्रणाली और संस्कृति के आधार पर विभिन्न मॉडलों का उपयोग करते हैं।

1। कुल प्रतिबंध (सख्त नीति)

स्कूल परिसर में फ़ोन की बिल्कुल भी अनुमति नहीं है, यदि वे मिल जाएं तो उन्हें जब्त किया जा सकता है

उदाहरणः

फ्रांस (छोटे छात्रों के लिए)]
अमेरिका के कुछ हिस्से और एशिया

2। बेल-टू-बेल प्रतिबंध

स्कूल के समय फ़ोन को बंद रहना चाहिए, केवल स्कूल से पहले या बाद में ही अनुमति है उदाहरणः, संयुक्त राज्य अमेरिका के कई स्कूल इस दृष्टिकोण का पालन करते हैं

कुछ जिलों में फोन को बैग या लॉक में रखना अनिवार्य है 3। आंशिक प्रतिबंध, ब्रेक या लंच के दौरान फोन की अनुमति है, लेकिन कक्षा में नहीं, उपयोग की निगरानी शिक्षकों द्वारा की जाती है

उदाहरणः

कई यूरोपीय स्कूल
आयु समूहों के आधार पर मिश्रित नीतियां

4। नियंत्रित शैक्षिक उपयोग

फ़ोन केवल सीखने के उद्देश्य से ही अनुमत हैं

शिक्षक की अनुमति आवश्यक है सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लगभग 54% स्कूल पर्यवेक्षण के तहत सीखने के लिए फोन की अनुमति देते हैं। देश-विशिष्ट उदाहरण

फ्रांस

राष्ट्रीय प्रतिबंध लगाने वाले सबसे पहले देशों में से एक, प्राथमिक और निम्न माध्यमिक छात्रों के लिए फोन प्रतिबंधित

ऑस्ट्रेलिया (विक्टोरिया)

सभी स्कूलों में फोन और स्मार्ट उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की योजना, पोलैंड में ध्यान केंद्रित करने और विकर्षण को कम करने का उद्देश्य है, 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव, इंटरनेट निर्भरता को कम करने पर ध्यान दें ग्रीस, स्कूलों में फोन पर पहले से ही प्रतिबंध है, बच्चों के डिजिटल उपयोग पर व्यापक प्रतिबंधों पर विचार करना संयुक्त राज्य अमेरिका, नीतियां राज्य और स्कूल के अनुसार भिन्न होती हैं

कई स्कूल सख्त इन-स्कूल प्रतिबंध लागू करते हैं, लेकिन आपातकालीन स्थितियों के लिए फोन की अनुमति देते हैं

20 से अधिक राज्यों में किसी न किसी प्रकार का प्रतिबंध है स्कूल फोन पर प्रतिबंध क्यों लगा रहे हैं

नकारात्मक प्रभाव

अनुसंधान और सर्वेक्षण कई चिंताओं को उजागर करते हैं, 71% लोग फोन के इस्तेमाल से एकाग्रता में कमी की रिपोर्ट करते हैं, साइबर बदमाशी और सामाजिक दबाव में वृद्धि,छात्रों के बीच आमने-सामने की बातचीत कम

प्रतिबंधों के लाभ, बेहतर शैक्षणिक फोकस, कक्षा अनुशासन में सुधार, अधिक सामाजिक संपर्क और शारीरिक गतिविधि, हानिकारक सामग्री के संपर्क में कम होना

चल रही बहस

बढ़ती प्रवृत्ति के बावजूद, यह मुद्दा विवादास्पद बना हुआ है। प्रतिबंध के लिए तर्क

छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है

लत और विकर्षण को कम करता है, मानसिक कल्याण में सुधार करता है, प्रतिबंधों के विरुद्ध तर्क

आपातकालीन स्थितियों के दौरान संचार को सीमित करता है

शैक्षिक ऐप्स के उपयोग को रोकता है, कुछ छात्र स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के लिए फोन पर निर्भर रहते हैं

हाल की घटनाओं से यह प्रश्न भी उठ गया है कि आपातकालीन स्थितियों में जब फोन पर प्रतिबंध होता है तो छात्र किस प्रकार संवाद करते हैं।

एक संतुलित दृष्टिकोणः भविष्य

विशेषज्ञों का कहना है कि पूर्ण प्रतिबंध के बजाय स्कूलों को यह करना चाहिए

डिजिटल जिम्मेदारी सिखाओ

प्रौद्योगिकी के निर्देशित उपयोग की अनुमति दें, डिजिटल साक्षरता शिक्षा के साथ नियमों को संयोजित करें

निष्कर्ष

दुनिया स्पष्ट रूप से स्कूलों में मोबाइल फोन के सख्त नियंत्रण की ओर बढ़ रही है, लेकिन यह एक समान समाधान नहीं है। हालांकि प्रतिबंध से ध्यान और अनुशासन में सुधार होता है, लेकिन प्रौद्योगिकी का जिम्मेदार और निर्देशित उपयोग भविष्य के लिए सबसे व्यावहारिक दृष्टिकोण हो सकता है।

अंततः, लक्ष्य मोबाइल फोन को समाप्त करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि वे सीखने से ध्यान भटकाने के बजाय उसका समर्थन करें।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

युद्धविराम के बाद नया दौर, तेल, गैस और वैश्विक बाजार पर असर की भविष्यवाणी

> युद्धविराम के एलान का तात्कालिक असर यह हुआ कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के बढ़े दामों में अठारह फीसद की गिरावट दर्ज की गई। इससे निश्चित तौर पर तेल और गैस की कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, लेकिन सवाल है कि क्या युद्धविराम स्थायी शांति में तब्दील हो पाएगा? यह प्रश्न इसलिए अहम है, क्योंकि खबरों के मुताबिक ईरान ने अपने प्रस्ताव में जो शर्तें रखी हैं, उन पर आम सहमति कायम करना आसान नहीं होगा

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच शांति की राह खुलने से एक नई उम्मीद जगी है। एक माह से अधिक समय तक वार-पलटवार के बाद आखिरकार दोनों पक्ष दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। ऐसे संकेत दिए जा रहे हैं कि शुक्रवार से पाकिस्तान के इस्लामाबाद में दोनों पक्षों के बीच समझौते को लेकर वार्ता शुरू हो सकती है। इस फैसले से दुनिया के उन देशों को भी फिलहाल राहत महसूस हो रही है, जिनका इस युद्ध से सीधे तौर पर कोई संबंध नहीं हैं, लेकिन होर्मुज जलमार्ग बाधित होने से उनके यहां तेल और गैस का संकट पैदा हो गया है।युद्धविराम के एलान का तात्कालिक असर यह हुआ कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के बढ़े दामों में अठारह फीसद की गिरावट दर्ज की गई। इससे निश्चित तौर पर तेल और गैस की कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, लेकिन सवाल है कि क्या युद्धविराम स्थायी शांति में तब्दील हो पाएगा? यह प्रश्न इसलिए अहम है, क्योंकि खबरों के मुताबिक ईरान ने अपने प्रस्ताव में जो शर्तें रखी हैं, उन पर आम सहमति कायम करना आसान नहीं होगा।

गौरतलब है कि अमेरिका और इजराइल की ओर से 28 फरवरी को ईरान पर हमले के साथ ही युद्ध का बिगुल बज गया था। इसका असर सिर्फ युद्ध में शामिल पक्षों तक ही सीमित नहीं रहा। खाड़ी देशों को जहां ईरान के मिसाइल हमलों का सामना करना पड़ा, वहीं भारत समेत कई अन्य देशों में तेल एवं गैस का संकट खड़ा हो गया। ईरान ने रणनीति के तहत हार्मुज जलमार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई।इस कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में उछाल से कई देशों में पेट्रोल-डीजल, एलपीजी और विमान ईंधन की कीमतें बढ़ गईं। अब दो सप्ताह की युद्धविराम की घोषणा से कुछ राहत जरूर मिलेगी, लेकिन उसके बाद भी हालात सामान्य रह पाएंगे या नहीं, इस संबंध में अभी अनिश्चितता बरकरार है। ऐसा इसलिए, क्योंकि दोनों पक्षों की ओर से बातचीत की शर्तों को लेकर अभी कोई स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। समझौता वार्ता में किस स्तर के प्रतिनिधि शामिल होंगे, इसका खुलासा भी अभी नहीं किया गया है।

क्या अमेरिका, ईरान की इस शर्त को स्वीकार करेगा

यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि इससे पहले अमेरिका की ओर से दिए गए समझौता प्रस्ताव को ईरान ने सिरे से खारिज कर दिया था। अब जिस प्रस्ताव पर युद्धविराम को लेकर सहमति बनी है, वह ईरान की ओर से पेश किया गया है। खबरों के मुताबिक, ईरान ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि उसे यूरेनियम संवर्धन जारी रखने की छूट दी जाए, जो परमाणु हथियार बनाने के लिए अहम है। जबकि, अमेरिका और इजराइल के हमले के पीछे प्रमुख कारण यही था कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है। ऐसे में सवाल है कि क्या अमेरिका, ईरान की इस शर्त को स्वीकार करेगा।खबरों में कहा गया है कि ईरान ने क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य बलों की वापसी, प्रतिबंधों को हटाना और उसकी जब्त संपत्तियों को वापस सौंपने की शर्त भी रखी है। यही नहीं, ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को इसी शर्त पर खोलने की बात कही है कि वह वहां से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क लेगा और इस राशि का इस्तेमाल युद्ध में हुए नुकसान की भरपाई में किया जाएगा। अगर ऐसा हुआ, तो इसका असर तेल और गैस की कीमतों पर पड़ेगा। अब देखना होगा कि अमेरिका, ईरान की इन शर्तों को मंजूर करता है या फिर कोई बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की जाएगी।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा फैसला लेते हुए ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को फिलहाल दो हफ्तों के लिए टाल दिया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान दोनों देशों के बीच अस्थायी युद्धविराम रहेगा, यानी न अमेरिका हमला करेगा और न ही ईरान कोई आक्रामक कदम उठाएगा। ईरान ने भी इसकी पुष्टि की है।

मणिपुर में हिंसा की चिंगारीः बिष्णुपुर हमले के बाद कर्फ्यू, कानून व्यवस्था पर सवाल

> प्रदर्शनकारियों की ओर से चौकी पर धावा बोलने की कोशिश से पहले ही उन्हें भरोसे में लेकर माहौल शांत करने को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई? शांति भंग करने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी किसकी है?

मणिपुर में कुछ दिनों की शांति के बाद फिर से हिंसक घटनाएं सिर उठाने लगी हैं। बिष्णुपुर इलाके में मंगलवार सुबह हुए हमले में दो बच्चों की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय सुरक्षाबल सीआरपीएफ की एक चौकी को घेरने की कोशिश की गई और गोलीबारी में दो लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद आसपास के इलाकों में भी तनाव बढ़ गया है। सवाल है कि सुरक्षा एजंसियों ने समय रहते स्थिति को संभालने का प्रयास क्यों नहीं किया?

प्रदर्शनकारियों की ओर से चौकी पर धावा बोलने की कोशिश से पहले ही उन्हें भरोसे में लेकर माहौल शांत करने को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई? शांति भंग करने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी किसकी है?

शासन-प्रशासन को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि असामाजिक तत्त्वों को किसी भी सूरत में ढील न दी जाए, ताकि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह कायम रहे।

गौरतलब है कि राज्य में मैतेई और कुकी-जो समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण बड़ी संख्या में लोगों ने विस्थापन की पीड़ा सही है और सैकड़ों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। यही कारण है कि राज्य सरकार की प्रशासनिक और राजनीतिक विफलता पर भी सवाल उठते रहे हैं।

बिष्णुपुर की घटना के उपरांत हुई आगजनी और हिंसा के बाद राज्य के पांच जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। मगर सरकार के इस कदम से हालात कितने दिन तक नियंत्रण में रहेंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता।

हालांकि इस घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजंसी को सौंप दी गई है, लेकिन सवाल है कि एक घर पर हमला करने के आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं की गई, जिस कारण लोगों का गुस्सा भड़क गया। इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि राज्य में दो समुदायों के बीच मतभेदों की जो खाई पैदा हुई है, उसे पाटने और स्थायी समाधान निकालने के लिए संवेदनशील तरीके से निरंतर प्रयासों की जरूरत है। दोनों समुदायों के बीच विश्वास बहाली के बिना दीर्घकालिक शांति का मार्ग प्रशस्त नहीं पाएगा।

मणिपुर के बिष्णुपुर में मंगलवार सुबह हिंसा भड़क उठी। एक रॉकेट जैसे प्रोजेक्टाइल के घर पर गिरने से एक चार साल के बच्चे और उसकी नवजात बहन की नींद में ही मौत हो गई। इस बीच , लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार को असंवेदनशील और पत्थर दिल बताते हुए उस पर जमकर हमला बोला।

हरभजन सिंह ने वैभव सूर्यवंशी को किया सेल्यूट

बुमराह की पहली बॉल पर मारा था छक्का

आईपीएल में मुंबई के खिलाफ मैच में राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी ने दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों में शुमार जसप्रीत बुमराह की पहली गेंद पर छक्का जड़ा था। इसपर अब उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी है। वैभव ने कहा कि मैं बस यही कोशिश कर रहा था कि बॉलर को न देखकर बॉल को खेलने का ट्राई करूं।

इतने बड़े बॉलर सामने थे तो मैं नर्वस जरूर था, लेकिन मैं खेलने का ट्राई कर रहा था।इसलिए मैंने बुमराह को न देखकर बॉल को देखा।मेरे लिए यह यादगार पल रहेगा कि बुमराह की पहली बॉल पर छक्का मारा था। मुझे यशस्वी जायसवाल ने बोला था कि मारते रहो। वहीं, उनके इस प्रदर्शन पर हरभजन सिंह ने उन्हें सेल्यूट किया।

वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर और ट्रेंट बोल्ट की पहली गेंद पर छक्का जड़ा था। हालांकि उन्हें ट्रेंट बोल्ट के खिलाफ मारे गए सिक्स ज्यादा पसंद आए।

हार्दिक ने वैभव को सीने पर हाथ ठोककर शाबाशी दी

वैभव की इस धमाकेदार पारी की खूब तारीफ हुई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने वैभव सूर्यवंशी से मिलकर उनकी सराहना करते नजर आए। हार्दिक ने वैभव को सीने पर हाथ ठोककर शाबाशी दी।

इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मैच के बाद उन्होंने कहा, 16 या 17 साल के लड़के को इस तरह निडर होकर खेलते देखना वाकई अद्भुत है। हमारे पास वैभव सूर्यवंशी के लिए कोई खास योजना नहीं थी। वह बिल्कुल 'आउट ऑफ सिलेबस' खिलाड़ी निकले और उन्होंने बेहद शानदार खेल दिखाया।

तीन दिग्गज गेंदबाजों के पहले बॉल पर मारा था छक्का

वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह के ओवर में 2 सिक्स लगाए थे। पहली ही गेंद पर उन्होंने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से शानदार सिक्स लगाया था। इसके बाद शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेलते हुए डीप स्क्वेयर लेग के पार सिक्स लगा दिया। इसके अलावा उन्होंने शार्दुल ठाकुर और ट्रेंट बोल्ट के पहले बॉल पर भी छक्का मारा था। वैभव सूर्यवंशी ने 14 बॉल पर 39 रन बनाया था। वैभव की पारी में 5 छक्के और 1 चौके शामिल हैं।

पैरा एशियन गेम्स को तरजीह : वर्ल्ड नंबर-1' खिलाड़ी शीतल देवी ने एलए28 पैरालंपिक्स पर फोकस टाला

नई दिल्ली । वर्ल्ड आर्चरी पैरा चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी शीतल देवी फिलहाल एलए 2028 पैरालंपिक्स पर ध्यान नहीं दे रही हैं। उनकी निगाहें अभी वर्तमान पर ही टिकी हुई हैं। वह पैरालंपिक्स के बड़े लक्ष्य की ओर देखने से पहले, इस साल के आखिर में जापान में होने वाले पैरा एशियन गेम्स की ओर कदम-दर-कदम आगे बढ़ने पर फोकस कर रही हैं। पिछले महीने, शीतल को वर्ल्ड आर्चरी अवार्ड्स में 'पैरा-आर्चर ऑफ द ईयर' का सम्मान मिला। शीतल ने यह सम्मान 2025 के शानदार सीजन के बाद हासिल किया था, जिसमें ग्वांगजू में वर्ल्ड टाइटल भी शामिल है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीतल ने कहा, 'मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचती, जैसे सीधे पैरालंपिक्स के बारे में सोचना। मुझे एक-एक कदम करके आगे बढ़ना पसंद है। वर्ल्ड सीरीज में भी, मेरा फोकस बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर था। पैरालंपिक्स तो बाद में आएंगे। चूंकि, एशियन गेम्स पहले हो रहे हैं, इसलिए मेरा मुख्य फोकस अभी उन्हीं पर है। '

शीतल ने वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। यह 2026 का पहला आउटडोर इंटरनेशनल इवेंट था। इस इवेंट में उनकी हमवतन पायल नाग ने फाइनल में 139-136 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता था।

जब शीतल देवी से जापान में होने वाले पैरा एशियन गेम्स की तैयारियों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया, 'अब तक, ट्रेनिंग अच्छी चल रही है। '

वहीं, कोच गौरव शर्मा ने कहा, 'तैयारियां अच्छी चल रही हैं। इस साल अब तक शीतल ने लगातार मुकाबले नहीं खेले हैं, लेकिन उनका प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। पहले या दूसरे स्थान पर आना तो खेल का ही एक हिस्सा है। यह बहुत अच्छी बात है कि गोल्ड मेडल भारत के ही खाते में आया। पायल, शीतल को अपना आदर्श मानती हैं, इसलिए उनसे हारना भी गर्व की बात है, क्योंकि वह भी हमारी ही हमवतन भारतीय खिलाड़ी हैं। '

उन्होंने आगे कहा, 'यह एक अच्छी बात है कि एशियन गेम्स से पहले ही हमें यह एहसास हो गया है कि भारत के अंदर भी हमारा मुकाबला बहुत कड़ा है। अक्सर खिलाड़ियों को लगता है कि उनका मुकाबला सिर्फ विदेशी खिलाड़ियों से है, लेकिन यह एक सकारात्मक बात है कि हमें भारत के अंदर ही इतना कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। इससे एशियन गेम्स के लिए हमारा फोकस और बढ़ेगा। '

शुभमन गिल पर 12 लाख का जुर्माना

दिल्ली के खिलाफ स्लो ओवर रेट के कारण मिली सजा

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर आईपीएल 2026 में स्लो ओवर-रेट के कारण 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले के बाद की गई।

आईपीएल की ओर से जारी मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, गुजरात टाइटंस ने मैच के दौरान निर्धारित समय में अपने ओवर पूरे नहीं किए। यह इस सीजन में टीम की पहली गलती थी, इसलिए ढ्ढक्क के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत गिल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

गुजरात ने दिल्ली को 1 रन से हराया

इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने रोमांचक जीत दर्ज करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 210 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली की टीम 209/8 रन ही बना सकी।

गुजरात टाइटंस की इस सीजन में यह पहली जीत रही। अब टीम का अगला मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से लखनऊ में रविवार को होगा। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेन्नई में खेलेगी।

आईपीएल में स्लो ओवर-रेट का नियम क्या है?

आईपीएल में हर टीम को तय समय के अंदर अपने 20 ओवर पूरे करने होते हैं। अगर टीम ऐसा नहीं कर पाती, तो उसे स्लो ओवर-रेट माना जाता है और सजा दी जाती है।

कैसे तय होता है स्लो ओवर-रेट?

एक पारी को आमतौर पर करीब 90 मिनट में पूरा करना होता है। बीच में टाइम-आउट और अन्य ब्रेक को छोड़कर ओवर की गति मॉनिटर की जाती है और मैच रेफरी यह देखते हैं कि टीम निर्धारित समय से पीछे तो नहीं चल रही।

मैदान पर सिर्फ 16 खिलाड़ियों को एंट्री

आईपीएल के नए नियम में बाउंड्री के बाहर मूवमेंट पर रोक

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के दौरान बीसीसीआई ने नया नियम लागू किया है। इसके मुताबिक बेंच पर बैठे खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकेंगे। टीम शीट में शामिल 16 खिलाड़ियों के अलावा किसी को मैदान में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

ड्रिंक्स, बैट या मैसेज देने के लिए सिर्फ वही खिलाड़ी मैदान में जा सकेंगे जो इन 16 में शामिल हैं। हाल ही में यह निर्देश टीम मैनेजमेंट को दिए गए हैं। वजह अभी स्पष्ट नहीं है। एक समय में सिर्फ पांच खिलाड़ी बाउंड्री लाइन के पास घूम सकते हैं।

एक टीम में करीब 25 प्लेयर्स होते हैं

आमतौर पर आईपीएल टीमों में करीब 25 खिलाड़ी होते हैं। हर मैच के लिए सिर्फ 16 खिलाड़ियों को टीम शीट में नाम दिया जाता है। नए नियम के मुताबिक बाकी खिलाड़ी डगआउट में रहेंगे। उन्हें बाउंड्री लाइन और स्कोर बोर्ड के बीच आने-जाने की अनुमति नहीं होगी।

टीम सूत्रों के मुताबिक, हमें हाल ही में निर्देश मिले हैं कि सभी सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकते। उन्हें ड्रिंक्स ले जाने की अनुमति नहीं है।

सब्स्टीट्यूट प्लेयर जर्सी पहनने वालों की संख्या 5 से ज्यादा नहीं

यह तय किया गया है कि बिब्स (सब्स्टीट्यूट प्लेयर जर्सी) पहनकर मैदान के किनारे घूमने वाले खिलाड़ियों की संख्या पांच से ज्यादा नहीं होगी। ये खिलाड़ी ड्रिंक्स ले जाने या बाउंड्री से गेंद लौटाने का काम करते हैं।

यह नया नियम मैच प्लेइंग कंडीशंस के क्लॉज 11.5.2 और 24.1.4 को सख्त करता है। क्लॉज 11.5.2 के अनुसार खिलाड़ियों को ड्रिंक्स देने की अनुमति सीमित समय और शर्तों के साथ होती है।

क्लॉज 24.1.4 में कहा गया है कि जो खिलाड़ी मैच में नहीं खेल रहे हैं और सब्स्टीट्यूट फील्डर नहीं हैं, उन्हें मैदान के आसपास रहते समय टीम का ट्रेनिंग बिब पहनना जरूरी है।

व्यापार

टीसीएस को चौथी तिमाही में 13,718 करोड़ का मुनाफा, सालाना आधार पर प्रॉफिट 12 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने गुरुवार को चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 12% बढ़कर 13,718 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह मुनाफा 12,224 करोड़ रुपए था।

रेवेन्यू में 10% की बढ़त, 70 हजार करोड़ के पार

मुनाफे के साथ कंपनी के रेवेन्यू में भी बढ़त देखी गई। इस तिमाही में ऑपरेशनल रेवेन्यू 10% बढ़कर 70,698 करोड़ रुपए रहा। इस मजबूत ग्रोथ के पीछे 12 अरब डॉलर (करीब 1 लाख करोड़ रुपए) की तीन मेगा डील्स रहीं।

31 रुपए प्रति शेयर लाभांश देगी टीसीएस

कंपनी ने अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर पर 31 रुपए का लाभांश यानी डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा शेयर होल्डर्स को भी देती हैं, इसे ही लाभांश कहा जाता है।

सीईओ बोले- हर सेक्टर में दिखा मजबूत प्रदर्शन

टीसीएस के सीईओ और एमडी के. कृतिवासन ने नतीजों पर खुशी जताई।

उन्होंने कहा कि यह लगातार तीसरी तिमाही है जब कंपनी ने ग्रोथ दर्ज की है। उन्होंने कहा कि हमारी 'फाइव पिलर स्ट्रेटेजी' और एआई पर फोकस काम कर रहा है।

राहत की बात यह है कि यह ग्रोथ किसी एक सेक्टर तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के बड़े बाजारों और लगभग सभी इंडस्ट्रीज में देखने को मिली है।

1 साल में 20% गिरा टीसीएस का शेयर

टीसीएस का शेयर आज यानी 9 अप्रैल को 1.20% यानी 30.80 रुपए चढ़कर 2,590 रुपए पर बंद हुआ। बीते एक महीने में कंपनी का शेयर 2.48% चढ़ा है। एक साल में करीब 20% गिरा है। कंपनी की मार्केट वैल्यू 11.71 लाख करोड़ रुपए है।

पश्चिम एशिया संकट का असर: 2025-26 में भारत का वस्तु निर्यात 2-3% घटने का अनुमान

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और पश्चिम एशिया संकट के बीच दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह प्रभावित है। इस कारण वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश के वस्तु निर्यात में 2-3 प्रतिशत की गिरावट आने की आशंका है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस ने भी इस बारे में चिंता जाहिर की है। संस्था के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा है कि इस संकट के चलते पिछले वित्त वर्ष के मार्च महीने में ही देश के निर्यात शिपमेंट में 7-8 प्रतिशत की कमी आ सकती है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष से क्या परेशानी शुरू हुई?

निर्यात घटने का प्रमुख कारण 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इस्राइल की ओर से किया गया संयुक्त हमला है। इस लड़ाई ने पश्चिम एशिया में भारत के निर्यात पर बहुत बुरा असर डाला। इस तनाव के बाद भारत के लिए शिपिंग भाड़ा, हवाई परिवहन कार खर्च और बीमा लागत बहुत तेजी से बढ़े। पश्चिम एशिया के देशों से तेल और गैस की आवाजाही में भी रुकावट आई जिसके करण स्टील, प्लास्टिक और रबर जैसे कच्चे माल की कीमतें आसमान चढ़ गईं। ताजे फल और सब्जियों एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए हवाई और समुद्री भाड़े की लागत अचानक बढ़ गई।

आशंकाओं के बीच राहत की क्या खबर?

वस्तु निर्यात में गिरावट की आशंका के बावजूद, फियो ने उम्मीद जताया है कि भारत का कुल वस्तु और सेवा निर्यात 5-6 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल निर्यात 825 बिलियन अमेरिकी डॉलर दर्ज किया गया था, जिसमें 437 बिलियन डॉलर का वस्तु निर्यात और 388 बिलियन डॉलर का सेवा निर्यात शामिल था। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से 15 अप्रैल को निर्यात के अंतिम आंकड़े आधिकारिक रूप से जारी किए जाएंगे।

सरकार ने इस महत्वपूर्ण बाजार में निर्यातकों को संघर्ष के प्रभाव से बचाने के लिए कई उपायों की पेशकश की है, क्योंकि 2024-25 में रत्न व आभूषण, चावल और फार्मा का निर्यात ही लगभग 57 बिलियन डॉलर था।

माल ढुलाई में रिकॉर्ड बनाने की तैयारी में रेलवे 2030 के लिए तय किया ये बड़ा टारगेट

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था को गति देने में भारतीय रेलवे की भूमिका आने वाले वर्षों में और ज्यादा अहम होने वाली है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश ने 2030 तक 3,000 मिलियन टन माल ढुलाई क्षमता हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। जिसमें रेलवे की बड़ी भूमिका होगी।

माल ढुलाई में रेलवे की कितनी हिस्सेदारी?

एसोचैम-एईएससीएलए की रिपोर्ट के मुताबिक, फिलहाल माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी करीब 30 फीसदी है। जो आगे बढ़ने की बड़ी संभावनाएं दिखाती है। रेलवे सेक्टर इस समय तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जैसी बड़ी परियोजनाओं और लगभग पूरी हो चुकी विद्युतीकरण प्रक्रिया से रेलवे की कार्यक्षमता बढ़ी है और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी मजबूत हुई है। इन सुधारों की वजह से अब माल ढुलाई पहले से ज्यादा तेज, सस्ती और भरोसेमंद हो रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए क्षमता बढ़ाना, फ्रेट कॉरिडोर का विस्तार, निजी क्षेत्र की भागीदारी और बेहतर लास्ट माइल कनेक्टिविटी पर खास ध्यान देना जरूरी है। साथ ही लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना भी बेहद जरूरी है। फिलहाल यह देश की जीडीपी का करीब 7.97 फीसदी है।अगर इस लागत को कम किया जाता है, तो भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा और मजबूत होगी और अर्थव्यवस्था को भी फायदा मिलेगा।

भारत रेलवे हर साल कितनी माल ढुलाई कर रहा?

भारतीय रेलवे पहले ही हर साल 1.6 अरब टन से ज्यादा माल ढुलाई कर रहा है और आने वाले समय में इसमें और तेजी आने की उम्मीद है। इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास, नीतिगत सुधार और डिजिटलीकरण की वजह से रेलवे सेक्टर देश की आर्थिक प्रगति का एक मजबूत आधार बनता जा रहा है।

सेंसेक्स 931 अंक गिरकर 76,632 पर बंद

निफ्टी भी 222 अंक नीचे 23,775 पर आया

नई दिल्ली। शेयर बाजार में यानी गुरुवार को गिरावट रही। सेंसेक्स 931 अंक (1.20%) नीचे 76,632 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 222 अंक (0.93%) गिरकर 23,775 पर आ गया। आज ऑटो और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली रही। मेटल और फार्मा शेयरों में तेजी रही।

जियोपॉलिटिकल टेंशनः लेबनान पर हमले के बाद ईरान-अमेरिका के बीच लंबे समय तक सीजफायर रहने की उम्मीदें कम हो गई है। इससे निवेशकों में डर बैठ गया है।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें: हॉर्मुज स्ट्रेट से तेल टैंकरों की आवाजाही अभी भी शुरू नहीं हो पाई है। इससे तेल की कीमतों में उछाल आया है और बाजार में गिरावट।

प्रॉफिट बुकिंगः अमेरिका और ईरान के बीच 2 हफ्ते के सीजफायर के बाद कल भारतीय बाजार में करीब 4% की तेजी आई थी। इस वजह से लोग आज मुनाफा बुक कर रहे हैं।

सेंसेक्स 2946 अंक चढ़कर बंद हुआ था

अमेरिका और ईरान के बीच 2 हफ्ते के सीजफायर के ऐलान के बाद कल 8 अप्रैल को शेयर बाजार में तेजी रही थी। सेंसेक्स 2946 अंक (3.95%) चढ़कर 77,563 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 874 अंक (3.78%) की तेजी रही, ये 23,997 पर बंद हुआ।

जैतहरी में कलेक्टर के आदेश की जा रही अनदेखी,जर्जर पुलिस क्वार्टर, जिम्मेदार एजेंसी को क्या है किसी हादसे का है इंतजार?

पूर्व भाजपा जिला महामंत्री कैलाश सिंह मरावी ने कलेक्टर को लिखा पत्र, जनहित में त्वरित कार्यवाही की मांग

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिले के जैतहरी नगर में स्थित लगभग सात-आठ दशक पुराने जर्जर पुलिस सर्किल क्वार्टर को लेकर एक बार फिर प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल खड़े हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला महामंत्री एवं कृषि उपज मंडी जैतहरी के पूर्व अध्यक्ष कैलाश सिंह मरावी ने कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी को पत्र लिखकर इस गंभीर मुद्दे पर त्वरित कार्यवाही की मांग की है।

अपने पत्र में मरावी ने उल्लेख किया है कि कलेक्टर कार्यालय द्वारा जुलाई 2024 में जारी आदेश के तहत लोक निर्माण विभाग की अनुपयुक्तता रिपोर्ट के आधार पर जिले के जर्जर भवनों को ध्वस्त कर समतलीकरण की अनुमति दी गई थी। इस आदेश के पालन में जैतहरी नगर के कई भवन– जैसे मिडिल स्कूल (वार्ड 10), वन विभाग निरीक्षण कुटीर (वार्ड 6) तथा प्राथमिक स्कूल मनागंज (वार्ड 11)– को कई माह पूर्व ही तोड़कर समतल कर दिया गया।

हालांकि, इसी क्रम में जैतहरी के वार्ड क्रमांक 10 स्थित मुख्य मार्ग पर बने पुलिस सर्किल क्वार्टर को लेकर स्थिति अब भी जस की तस बनी हुई है। मरावी का आरोप है कि नगर परिषद जैतहरी के मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा पिछले लगभग एक वर्ष में नगर निरीक्षक,थाना जैतहरी एवं पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को कई पत्र लिखे जाने के बावजूद अब तक इस जर्जर भवन को हटाने की सहमति नहीं दी गई है।

उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि ÷कानून के रखवाले ही यदि कलेक्टर के आदेश की अनदेखी करें,तो यह व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।÷ पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रदेश में हाल ही में हुई दुर्घटनाओं के मद्देनज़र ऐसे जर्जर भवन किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं।

विशेष रूप से चिंता का विषय यह है कि यह जर्जर पुलिस क्वार्टर उत्कृष्ट बालक हायर सेकेंड्री स्कूल के समीप तथा अहिंसा चौक जैसे व्यस्त मुख्य मार्ग पर स्थित है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र एवं आम नागरिकों का आवागमन रहता है। ऐसे में किसी अप्रिय घटना की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

मरावी ने कलेक्टर से मांग की है कि जिले में जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण और समतलीकरण के आदेश का समान रूप से पालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि जनहित में संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

इस मामले ने एक बार फिर प्रशासनिक समन्वय और जिम्मेदारी के सवाल को सामने ला दिया है, जहां एक ओर आदेश जारी होते हैं, वहीं दूसरी ओर उनके क्रियान्वयन में देरी जनसुरक्षा पर भारी पड़ सकती है।

कोतमा अग्रवाल होटल (लॉज) के गिरने की घटना पर कलेक्टर ने सहायक राजस्व निरीक्षक योगेंद्रनाथ तिवारी एवं उपयंत्री वंदना अवस्थी को किया निलंबित

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सहायक राजस्व निरीक्षक, नगरपालिका परिषद कोतमा योगेंद्रनाथ तिवारी को मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम, 2012 के नियमों का उल्लंघन करने तथा उनके पदीय दायित्वों का निर्वहन नहीं करने के कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनों वार्ड क्रमांक-05, बस स्टैंड के समीप नगरपालिका परिषद कोतमा क्षेत्र अंतर्गत स्थित एक तीन मंजिला इमारत (अग्रवाल लॉज) अचानक धराशायी हो गयी, जिसके मलवे के नीचे दबने से 3 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई तथा तीन अन्य व्यक्ति घायल हुए।

उक्त घटना के संदर्भ में यह तथ्य संज्ञान में आया है कि उक्त इमारत के समीप अवैध खनन से एक बेसमेंट का निर्माण किया जा रहा था। बेसमेंट के निर्माण हेतु एक गहरा गड्ढा खोदा गया था और यह गड्ढा लगभग 15 दिन पूर्व से ही मौजूद था। शासन द्वारा जारी ABPAS 3.0 (Automated Building Plan Approval System) पर नगरपालिका परिषद कोतमा हेतु योगेन्द्रनाथ तिवारी सहायक राजस्व निरीक्षक, भवन निरीक्षक (बिल्डिंग इंस्पेक्टर) के रूप में नामित है तथा म0प्र0 भूमि विकास नियम, 2012 के अनुसार निकाय क्षेत्रान्तर्गत अनाधिकृत निर्माण के संबंध में श्री तिवारी द्वारा त्वरित कार्यवाही की जानी थी,परन्तु उनके द्वारा अग्रवाल लॉज के

बगल मे अनाधिकृत रूप से गड्ढा खोदे जाने के संबंध में कोई भी समुचित कार्यवाही नहीं की गयी, जबकि निकाय के राजस्व प्रभारी एवं भवन निरीक्षक होने के कारण नगर में अवैध निर्माण कार्य को निरीक्षण कर रोके जाने का दायित्व योगेन्द्रनाथ तिवारी नगरपालिका परिषद कोतमा का था।

सहायक राजस्व निरीक्षक, नगरपालिका परिषद कोतमा योगेन्द्रनाथ तिवारी द्वारा म0प्र0 भूमि विकास नियम 2012 के नियमो का उल्लंघन किया गया है तथा उनके द्वारा अपने पदीय दायित्वो का निर्वहन नहीं करने के कारण यह घटना घटित हुई। सहायक राजस्व निरीक्षक योगेन्द्रनाथ तिवारी का यह कृत्य अनुशासनहीनता एवं कदाचार की श्रेणी में होने से दण्डनीय है।

जिसके कारण मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत सहायक राजस्व निरीक्षक योगेन्द्रनाथ तिवारी को निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में योगेन्द्रनाथ तिवारी का मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय जिला शहरी विकास अभिकरण अनूपपुर नियत किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता नगरपालिका परिषद कोतमा से प्राप्?त होगा।

कलेक्टर ने नगरपालिका परिषद कोतमा की उपयंत्री वंदना अवस्थी को भु किया निलंबित

नगरपालिका परिषद कोतमा की उपयंत्री (सिविल) वंदना अवस्थी को शासकीय कार्यों में गंभीर अनुशासनहीनता एवं लापरवाही के आरोपों के परिप्रेक्ष्य में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनो वार्ड क्रमांक-05, बस स्टैंड के समीप नगरपालिका परिषद कोतमा क्षेत्र अंतर्गत स्थित एक तीन मंजिला इमारत (अग्रवाल लॉज) अचानक धराशायी हो गयी, जिसके मलवे के नीचे दबने से 3 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई तथा तीन अन्य व्यक्ति घायल हुए।

जारी पत्र में कहा गया है कि घटना के संदर्भ में, यह तथ्य संज्ञान में आया है कि उक्त इमारत के समीप अवैध खनन से एक बेसमेंट का निर्माण किया जा रहा था। बेसमेंट के निर्माण हेतु एक गहरा गड्ढा खोदा गया था और यह गड्ढा लगभग 15 दिन पूर्व से ही मौजूद था। शासन द्वारा जारी ABPAS- 3.0 (Automated Building Plan Approval System) पर नगर पालिका परिषद कोतमा हेतु श्रीमती वंदना अवस्थी भवन अधिकारी (बिल्डिंग ऑफिसर) के रूप में नामित है तथा म0प्र0 भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 7-(1) तथा 7(3)(क)(ख)(ग) के अनुसार निकाय क्षेत्रान्तर्गत अनाधिकृत निर्माण के संबंध में श्रीमती अवस्थी द्वारा त्वरित कार्यवाही की जानी थी, परन्तु उनके द्वारा अग्रवाल लॉज के बगल मे अनाधिकृत रूप से गड्ढा खोदे जाने के संबंध में कोई भी समुचित कार्यवाही नही की गयी, जबकि निकाय के भवन अधिकारी होने के कारण नगर मे अवैध निर्माण कार्य को निरीक्षण कर रोके जाने का दायित्व उपयंत्री (सिविल) नगरपालिका परिषद कोतमा वंदना अवस्थी का था।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम 14 अप्रैल को

कार्यक्रम हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अधिकारियों की लगाई ड्यूटी

अनूपपुर। राज्य शासन से प्राप्त

निर्देशानुसार डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में 14 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अनूपपुर में होगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्चना कुमारी को नोडल अधिकारी तथा सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सरिता नायक को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर टेन्ट, साउण्ड सिस्टम, माईक, स्टेज निर्माण, कार्यक्रम स्थल में साफ-सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा स्वसहायता समूह की दीदियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है।

नल जल योजना के संचालन व संधारण हेतु पंप ऑपरेटरों का प्रशिक्षण सम्पन्न

अनूपपुर। विकासखंड पुष्पराजगढ़ के जनपद कार्यालय सभागार में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पुष्पराजगढ़ जनपद पंचायत के ग्रामों में संचालित नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण हेतु पंप ऑपरेटरों का प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण

में पंप ऑपरेटरों को योजना संचालन और संधारण संबंधी समस्त जानकारी दी गई। इस दौरान जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं विकासखंड समन्वयक उपस्थित रहे।

अब 'फट-फट' नहीं, सीधे एक्शन! — मॉडिफाइड साइलेंसर पर अनूपपुर पुलिस की सख्त कार्यवाही मौके पर साइलेंसर की जब्ती

–तेज आवाज पर सख्त प्रहार, अनूपपुर पुलिस का मॉडिफाइड साइलेंसर के खिलाफ अभियान शुरू

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिले में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण एवं यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के द्वारा मॉडिफाइड साइलेंसर के विरुद्ध साप्ताहिक विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है।

अभियान के पहले ही दिन यातायात पुलिस ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए तीन मॉडिफाइड साइलेंसर लगे बुलेट वाहनों से साइलेंसर जब्त किया तथा संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अवैध एवं तेज ध्वनि उत्पन्न करने वाले साइलेंसर का उपयोग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। यह अभियान लगातार जारी रहेगा और जिले के विभिन्न स्थानों पर नियमित जांच की जाएगी।

अनूपपुर पुलिस आमजन से अपील करती है कि वे अपने वाहनों में केवल मानक (स्टैंडर्ड) साइलेंसर का ही उपयोग करें एवं यातायात नियमों का पालन करें, ताकि ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के साथ सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

कन्या भ्रूण हत्या अपराध के आरोप में श्रीराम नर्सिंग होम सील एवं हॉस्पिटल संचालिका डॉ. चारूलता तिवारी पर कन्या भ्रूण हत्या के तहत भिन्न भिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

देवास। श्री राम नर्सिंग होम संचालिका डॉ. चारूलता तिवारी द्वारा लिंग परीक्षण होने के बाद से लेकर गर्भपात की जानकारी जुटाने के लिए देवास के पत्रकारों द्वारा स्टिंग ऑपरेशन की योजना बनाने के बाद डॉ चारुलता तिवारी का स्टिंग पत्रकारों द्वारा किया गया , स्टिंग ऑपरेशन करने के बाद डॉ द्वारा पैसे के ऑफर में डॉ द्वारा रचित प्लानिंग के तहत स्वयं पत्रकार स्टिंग हो गए डॉ चारूलता द्वारा पत्रकारों के खिलाफ कोतवाली थाने में ब्लैकमेलिंग सहीत अन्य अपराध के तहत भिन्न भिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज करवाई गई । कोतवाली पुलिस द्वारा पत्रकारों पर कार्यवाही के बाद पत्रकारों को जेल भेजा ।

इस घटना के बाद पत्रकारों ने रोष जताते हुए उस स्टिंग के वीडियो जोकि श्री राम नर्सिंग होम संचालिका डॉ चारूलता तिवारी द्वारा गर्भपात करने के पैसे लेने की चर्चा ओर पैसे गिनते हुए वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने लगे ओर पत्रकारों ने वायरल वीडियो पर कलेक्टर ऋतुराज सिंह से चर्चा की जिसमें पत्रकारों ने मांग की गई कि डॉ चारूलता तिवारी पर भी भ्रूण हत्या की धाराओं में कार्यवाही होना चाहिए क्योंकि कन्या भ्रूण हत्या करना और। कराना अपराध की श्रेणी आता है कलेक्टर ऋतुराजसिंह ने तुरन्त स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित कर वायरल वीडियो की जांच कर डॉ चारूलता तिवारी पर कार्यवाही करने का निर्देश सी एम एच ओ देवास को दिया स्वास्थ्य विभाग से सम्बन्धित जांच अधिकारियों की टीम ने संज्ञा लेते हुए कोतवाली पुलिस को जांच रिपोर्ट सौंप कर कन्या भ्रूण हत्या सम्बन्धित धारणाओं में डॉ चारूलता तिवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई । देवास तहसीलदार सपना शर्मा, स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए श्रीराम नर्सिंग होम को सिल कर दिया गया।

म.प्र. शासन कि पिछड़ा वर्ग की अनुसूची में `जांगिड़' जुड़वाने के लिए अखिल भारतीय जांगिड ब्राम्हण महासभा का प्रतिनिधिमंडल मिला श्रीमती कृष्णा गौर से

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

देवास। अखिल भारतीय जांगिड ब्राम्हण महासभा प्रदेश सभा मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों के समर्थन में ज्ञापन देते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर से उनके भोपाल स्थित कार्यालय पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में देवास, इंदौर, भोपाल, नीमच, सहित सहित अन्य जिलों के समाजजन शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व राष्टीय प्रधान कैलाश बरनेला (जांगिड) और प्रदेश सभा अध्यक्ष प्रभुदयाल बरनेला (जांगिड) के नेतृत्व में विषय को रखा और मंत्री श्रीमती गौर ने इसे गंभीरता से सुना। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विश्वकर्मा वंशजों में जांगिड समाज के लोग भी शामिल हैं। जांगिड समाज के लोग अन्य प्रांत राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली , चंडीगढ़ सहित अन्य कई प्रदेशों में पिछड़ा वर्ग की अनुसूची में शामिल हैं लेकिन मध्यप्रदेश में जांगिड

को अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में समाज के लोगों को पिछड़ा वर्ग का जाति प्रमाण पत्र बनवाने में बढ़ई, सुथार, विश्वकर्मा आदि उप जातियां लिखना पड़ती हैं। यदि मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग अनुसूची क्रमांक 6 में जांगिड शब्द को जोड़ दिया जाता है तो इससे मध्यप्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर निवासरत करीब 12 लाख समाज बंधुओं को शिक्षा, सरकारी नौकरियों में लाभ मिलेगा। श्रीमती गौर ने संबंधित अधिकारियों को इस पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए और समाज को आश्वस्त किया कि जांगिड जाति को अनुसूची में 6 में शामिल करवाने के लिए हर संभव मदद और प्रयास करूंगी।

मंत्री श्रीमती गौर का अभिनंदन किया

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री श्रीमती गौर का अभिनंदन करते हुए उन्हें मोमेंटो भेट किया। इस मौके पर राकेश विश्वकर्मा (चकल्दी) प्रदेशाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग महापंचायत मध्यप्रदेश, प्रदीप शर्मा (जांगिड़) इन्दौर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश, प्रेमचंद शर्मा (जांगिड़) सदस्य जिला विकास सलाहकार समिति बेतुल, कैलाश शर्मा (जांगिड़) भोपाल उप प्रधान महासभा, कपिल जांगिड़ अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश, हरीश जांगिड़ जिला अध्यक्ष भोपाल, मिश्रीलाल विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष सीहोर, योगेश जांगिड जिलाध्यक्ष इंदौर, कृष्ण रंजन शर्मा (जांगिड) भोपाल, बंशीलाल जांगिड भोपाल, सुभाष जांगिड भोपाल, महावीर प्रसाद जांगिड पूर्व जिला अध्यक्ष भोपाल, बंसीलाल शर्मा (जांगिड़) कैलाश शर्मा (जांगिड़) नीमच, धर्मेंद्र पिपलोदिया मीडिया प्रभारी मध्य प्रदेश देवास सहित समाज बंधु उपस्थित थे।

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर का काफिला चंबल घाट के दलदल में फंसा

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

मुरैना/अम्बाह। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर का काफिला चंबल घाट के बीहड़ों में दलदल में फंस गया। मध्य प्रदेश से उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश के दौरान उसैद/पिनाहट स्थित चंबल घाट पर उनकी गाड़ियां कीचड़ में धंस गईं। बताया जा रहा है कि यह घटना रात के समय की है, जब काफिला चंबल नदी पर बने पीपों के पुल को पार कर रहा था।

ज्ञात रहे कि सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे चंबल घाट क्षेत्र का बताया जा रहा है। वीडियो में कथावाचक

देवकीनंदन ठाकुर खुद अपनी जुबानी यात्रा के दौरान आई परेशानी का जिक्र करते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में देवकीनंदन ठाकुर बता रहे हैं कि वे सनातन यात्रा पर निकले हैं और इसी दौरान उनकी गाड़ी पिनाहट-उसैद क्षेत्र के चंबल घाट में रात के समय फंस गई। उन्होंने चंबल क्षेत्र को बीहड़ों और ÷डाकुओं के गढ़÷ के रूप में बताते करते हुए रास्ते की कठिनाइयों का जिक्र किया।

वीडियो में वे आगे कहते हैं कि बेहद मुश्किल हालात के बावजूद उन्होंने ÷ठाकुर जी÷ का नाम लिया और किसी तरह उनकी गाड़ी सुरक्षित बाहर निकल पाई। उन्होंने इस घटना को आस्था से जोड़ते हुए कहा कि यदि सच्चे मन से भगवान पर विश्वास हो तो हर कठिनाई का रास्ता निकल जाता है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

अवैध खनन पर प्रशासन की कार्रवाई: 8195 ट्रॉली रेत का विनिष्टीकरण, 1.63 करोड़ से अधिक का मूल्य

जिले के चारों अनुभागों में पांच स्थानों पर सख्त कार्रवाई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में गत दिवस आयोजित जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक के निर्देशों के अनुपालन में जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध व्यापक और सख्त कार्रवाई की गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ, वनमण्डलाधिकारी हरीश्चंद्र बघेल, जिला खनिज अधिकारी सुखदेव कुमार निर्मल सहित राजस्व, वन, पुलिस एवं परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए संयुक्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। प्रत्येक घाट पर सतत निगरानी रखते हुए अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर योजनाबद्ध तरीके से कार्यवाही की जाए।पुलिस अधीक्षक द्वारा भी स्पष्ट किया गया कि सभी कार्यवाही पूर्व समन्वय एवं योजना के साथ की जाए तथा आवश्यक होने पर कठोर वैधानिक प्रावधानों जैसे एनएसए एवं जिला बदर की कार्रवाई भी की जाएगी।

संयुक्त कार्रवाई का विस्तृत विवरण

टास्क फोर्स के निर्देशन में जिले के चारों अनुभागों के पांच चम्बल घाटों पर संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध रेत का विनिष्टीकरण किया गया– अनुभाग मुरैना (राजघाट) – 03 जेसीबी एवं 02 लोडर की सहायता से 6900 ट्रॉली रेत का विनिष्टीकरण (1,58,00,000/-)
अनुभाग जौरा (देवगढ़ क्षेत्र) – 01 जेसीबी से लगभग 500 ट्रॉली (10,00,000/-)
अनुभाग सबलगढ़ (टेंटरा/बरोटा घाट) – 625 ट्रॉली (12,50,000/-)
अनुभाग अम्बाह (होलापुरा एवं नगरा घाट) – 170 ट्रॉली (3,40,000/-)

उक्त कार्रवाई वन, राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग के संयुक्त दल द्वारा प्रभावी रूप से संपादित की गई।

जिले में कुल 05 चम्बल घाटों पर की गई कार्रवाई में 8195 ट्रॉली अवैध रेत का विनिष्टीकरण किया गया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 1,63,90,000/- (एक करोड़ तिरेसठ लाख नब्बे हजार रुपये) है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध रेत खनन के विरुद्ध यह सख्त अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शनि मेला एवं शनि जयंती के संबंध में बैठक कल

मुरैना। श्री शनिदेव मंदिर ऐंती पर्वत पर आगामी 16 मई को शनिश्चरी अमावस्या एवं श्री शनिदेव जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाले शनि मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी क्रम में कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशानुसार मेला व्यवस्थाओं की समीक्षा एवं समन्वय हेतु बैठक का आयोजन 11 अप्रैल को अपरान्ह 03 बजे शनि मंदिर के सभागार में किया जाएगा।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर मेला संबंधी व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श करेंगे। इनमें ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, मध्यप्रदेश राज्य सड़क विकास प्राधिकरण ग्वालियर, विद्युत विभाग के उपमहाप्रबंधक, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, तहसीलदार बानमौर, नायब तहसीलदार रिठौराकलां तथा जनपद पंचायत मुरैना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शामिल रहेंगे। अनुविभागीय अधिकारी, मुरैना द्वारा उक्त जानकारी देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए

वाटर लीकेज मरम्मत के दौरान गैस पाइपलाईन टूटी, आग लगी

नाश्ते की दुकान में आग लगी, 2 झुलसे, हुआ धमाका

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शहर के बीचोंबीच एमएस रोड पर नेहरू पार्क के सामने लीकेज वाटर लाईन की मरम्मत के दौरान अचानक पीएनजी गैस की पाईपलाईन टूट गई, पाईप लाईन से लीक हुई गैस को हवा का सहारा मिला और पास ही स्थित नाश्ते की दुकान में आग लग गई। जिससे एक बड़ा धमाका हुआ और वहां हड़कंच मच गया। दुकान पर मौजूद दो लोग आग की चपेट में आने से झुलस गए।

मिली जानकारी के मुताबिक एमएस रोड पर नेहरू पार्क के सामने पेयजल सप्लाई की लाईन में तीन दिन पहले लीकेज हो गया था। नगर निगम कर्मचारियों की अनदेखी से लीकेज की समस्या का समस्या पर समाधान नहीं हुआ, जिसकी वजह से रोड पर जलभराव की स्थिति बन गई। गुरूवार की सुबह करीब 11 बजे नगर निगम की टीम लीकेज वाटर लाईन की मरम्मत करने पहुंचीं थी। मरम्मत के दौरान सड़क के नीचे से गुजरी पीएनजी गैस की लाईन में लीकेज हुआ और धमाके के साथ तेज गति से गैस लीक होने लगी। हवा का सहारा मिलने से पीएनजी गैस का जब पास ही स्थित नाश्ते की दुकान पर जल रही भट्टी से संपर्क हुआ तो दुकान के ऊपर लगी तिरपाल में आग लग गई। आग की चपेट में आने से दुकान पर मौजूद पावस गुप्ता और एक अन्य झुलस गए। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड सहित कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी। जल्द ही आग पर काबू पा लिया गया।

निगम की बड़ी कार्रवाई जौरा रोड से हटाया अवैध अतिक्रमण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नगर निगम आयुक्त सत्येंद्र धाकरे के आदेश अनुसार जौरा रोड स्थित रेस्ट हाउस की बाउंड्री से लगे अवैध अतिक्रमण को नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा हटाया गया। यह कार्रवाई डिप्टी कमिश्नर लाल सिंह डोडिया के मार्गदर्शन में की गई। डिप्टी कमिश्नर लाल सिंह डोडिया द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि नगर निगम आयुक्त द्वारा शहर में जिन दुकानदारों अवैध अतिक्रमण कर रखा है उन दुकानदारों के विरुद्ध प्रति दिवस कार्रवाई कर अवैध अतिक्रमण हटाया जाएगा। अवैध अतिक्रमण हटाने हेतु दल का गठन भी किया गया है, जिसमें भगवान अधिकारी सहायक यंत्री मदाखलत प्रभारी को सम्मिलित कर दल का गठन किया गया है। दल द्वारा प्रति दिवस शहर में अवैध अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही कर अवैध कब्जों अतिक्रमण को प्रति दिवस गठित दल द्वारा हटाया जाएगा।

14 अप्रैल को कृषि उपज मंडी में विपणन कार्य रहेगा पूर्णत: बंद

मुरैना। कृषि उपज मंडी, मुरैना के सचिव द्वारा जानकारी दी गई है कि हम्मालों द्वारा प्रस्तुत आवेदन के अनुसार 14 अप्रैल 2026 को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में मंडी प्रांगण, मुरैना में समस्त विपणन कार्य पूर्णतः बंद रहेगा। इस संबंध में अवगत कराया गया है कि उक्त तिथि को हम्मालों द्वारा तौल कार्य भी पूर्णतः बंद रखा जाएगा। अतः कृषकगण एवं व्यापारियों से आग्रह है कि वे अपने कृषि उपज के क्रय-विक्रय हेतु मंडी आगमन की योजना इसी अनुसार सुनिश्चित करें।

सीजीडी नेटवर्क के क्रियान्वयन एवं अंतर-विभागीय समन्वय हेतु जिला स्तरीय समिति का गठन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन, खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशानुसार सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन, सतत निगरानी, नियमित समीक्षा एवं अंतर-विभागीय कठिनाइयों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ द्वारा जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है।गठित समिति में कलेक्टर, जिला मुरैना को अध्यक्ष नामित किया गया है। समिति में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है, जिनमें पुलिस अधीक्षक, वन विभाग के अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के प्रतिनिधि, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, आयुक्त नगर निगम, जिला अधिकारी नगर निगम एवं ग्राम निवेश, जिला परिवहन अधिकारी, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मुरैना, प्रतिनिधि गेल तथा मध्यप्रदेश सड़क विकास प्राधिकरण मुरैना के अधिकारी शामिल हैं।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने टेट परीक्षा के विरोध में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल को दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस ज्ञापन-

मुरैना। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्य प्रदेश के तत्वाधान में समस्त जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन देने के लिए निर्देशित किया गया था। इस कड़ी में मुरैना प्रथम नगर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को मोर्चा द्वारा टेट परीक्षा के विरोध में तथा सरकार द्वारा वरिष्ठता को खत्म किया गया है। इन मांगों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष को मोर्चा के जिला संयोजक मुन्नालाल शर्मा तथा रामनरेश दंडोतिया तथा जनक सिंह रावत तथा पवन कुमार हांकरे द्वारा 08 अप्रैल 2026 को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें सरकार से मांग की गई कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरुद्ध सरकार पुनः विचार याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट में शिक्षकों का पक्ष रखें और लोक शिक्षण संचनालय के आदेश जो शिक्षकों की परीक्षा हेतु जारी किया गया है उसे निरस्त किया जाए और 20-25 साल शिक्षकों ने जो सेवा की है उसकी वरिष्ठता को सरकार द्वारा खत्म किया गया है। वरिष्ठता को देने हेतु सरकार द्वारा आदेश दिया जाए। अध्यापक शिक्षक अपने सभी प्रकार के लाभों को प्राप्त कर सकें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल के आगमन पर मुंगावली मंडल ने किया भव्य स्वागत

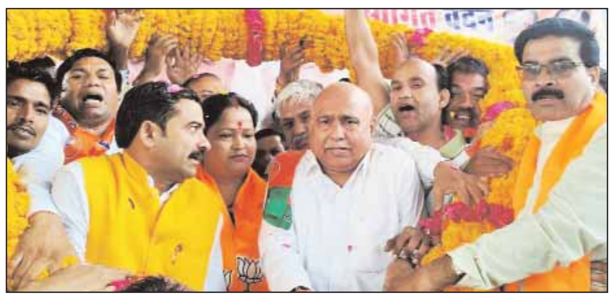

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस ज्ञापन-

मुरैना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल का मुरैना बुधवार सुबह आगमन हुआ पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने लगभग 4 किलोमीटर लंबी यात्रा के दौरान जगह-जगह स्वागत सत्कार हुआ, जिसमें मुंगावली मंडल के अध्यक्ष मनोज मिश्रा के नेतृत्व में समस्त कार्यकर्ताओं के द्वारा बैरियल चौराहे पर भव्य स्वागत किया, जिसमें मंडल के पदाधिकारियों के साथ कार्यकर्ता उपस्थित रहे । इस अवसर पर उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, प्रदेश मंत्री भाजपा लोकेंद्र पाराशर, चंबल संभाग प्रभारी अभय प्रताप सिंह यादव जिला प्रभारी राजू बाथम उपस्थित रहे।

मंडल उपाध्यक्ष अजमेर सिंह तोमर, रामनिवास शर्मा, राभरोसी यादव, दीपक व्यास, अमन जादौन महामंत्री जितेंद्र पाठक, आकाश लिखरवार, मंडलमंत्री आनंद मरैया, बंटी गुर्जर, राहुल प्रजापति, श्रीमती गीता सिंह, महेश कुशवाहा, कोषाध्यक्ष गौरव पचोरी, राजेश रजक, मीडिया प्रभारी सूरज बघेल, विनोद शर्मा, कालीचरण तिवारी, राहुल बघेल, नीरज उपाध्याय, संजय मौर्य, जयकिशन पाठक, सत्यम पचोरी, वरुण दुबे, सीताराम शर्मा, विष्णु कुशवाह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्युत पेंशनर्स की बैठक सम्पन्न, जन्मदिन मनाया गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। गुरुवार को सुबह 11 बजे विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन मुरैना की मासिक बैठक बिजली घर प्रांगण में स्थित मंदिर पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन मुरैना के क्षेत्रीय अध्यक्ष पी.एस. तोमर ने की। बैठक का सफल संचालन विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष
जय नारायण शर्मा ने किया एवं आभार प्रदर्शन रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने किया। विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन मुरैना के अध्यक्ष पी.पी. मिश्रा ने बैठक को सम्बोधित करते हुए बताया कि 16 अप्रैल को भोपाल में होने वाला धरना प्रदर्शन आंदोलन स्थगित कर दिया गया है, क्योंकि सरकार पेंशनर्स के साथ बातचीत करने को सहमत हो गयी है। ये अपनी पेंशनर्स एकता का प्रभाव है। हम पेंशनर्स अपनी लंबित मांगों के लिए एकजुट होकर आवाज तब तक उठाते रहेंगे जब तक मांगे पूरी न हो जाए। आज की अध्यक्षता कर रहे पी.एस. तोमर ने कहा कि समस्याओं का निदान बातचीत करके ही हो सकता है। सरकार पेंशनर्स से बातचीत कर उनका निदान शीघ्र करे।आज की बैठक में एक नई पहल शुरू हुई।दो पेंशनर्स रमेश चंद्र श्रीवास्तव, रामबाबू

श्रीवास, सियाराम सविता का जन्म दिन मनाया गया। माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। अब यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी। के.एल. चौहान ने भी बैठक को संबोधित किया। बैठक के दौरान मीडिया प्रभारी मुरारी लाल प्रजापति *यथार्थ* ने काव्य पाठ कर पेंशनर्स को खूब गुदगुदाया।

बैठक में शामिल होने वालों में पी.पी. मिश्रा, के.एल. चौहान, पी.एस. तोमर, जय नारायण शर्मा, मायाराम शर्मा, व्हीसी कटारिया, विमल चंद जैन, मुरारी लाल प्रजापति *यथार्थ*, रमेश चंद्र श्रीवास्तव, सी.एल. नागर, ओमप्रकाश, जीसी गर्ग, राधेश्याम शर्मा, सुल्तान सिंह तोमर, रामबाबू श्रीवास, श्रीकृष्ण जाटव, रामजीलाल, दर्शन लाल, सियाराम सविता, मुकेश गुप्ता, सियाराम वर्मा, सियाराम, मायाराम गहलोत, राधाचरण, सुरेश बाबू, दामोदर कुशवाह, रहमान, रामेश्वर दयाल राठौर, शिवचरण टैगौर, भागीरथ, पूरन सिंह, राजेन्द्र सिंह, रमेश चंद्र राजपूत, जगदीश प्रसाद राठौर, रघुनाथ प्रसाद राजौरिया, रामदयाल प्रजापति, फौदलिया प्रजापति, शतीश गुप्ता, हरीशंकर, सुरेंद्र सिंह भदौरिया, मुन्नालाल सविता, कदम सिंह खरे, दाताराम शाक्य, रामबाबू राठौर, चतुर सिंह आदि मौजूद थे।

लावारिस शव का मुक्तिधाम में किया अंतिम संस्कार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। आपको बता दें कि जिसका कोई दाह संस्कार करने वाला नहीं होता उसका दाह संस्कार करने हर दम समाजसेवा का कार्य करने दो भाई अमन कारखुर और नीलेश कारखुर और समाजसेवी तिजेन्द्र खेड़ा और उनके साथी हमेशा तैयार रहते हैं।

आपको बता दें कि श्रीमती पूनम मराठा पत्नी कुशाल मराठा निवासी जोगी नगर नागपुर महाराष्ट्र उम्र 30 वर्ष जो नागपुर की मूलतः निवासी थीं विगत 8 वर्षो से मुरैना में काम करती थीं, जिसका कोई नहीं था 09 अप्रैल 2026 को सुबह बीमारी से मृत्यु हो गई। जिनका कोई भी नहीं था अस्पताल में भर्ती हुए। इसके बाद उन्हें मुरैना अस्पताल में ट्रांसफर किया गया। यहां पर उनकी मृत्यु 9 अप्रैल दिन गुरुवार को हो गई जिसकी जानकारी समसान प्रभारी नगर निगम नीलेश कारखुर एवं तीजेंद्र खेड़ा ओर उत्तम चंद वर्मा को दी गयी। नगर निगम कर्मचारी अमन कारखुर और नीलेश कारखुर शमशान प्रभारी बड़ोखर मुरैना ने दाह संस्कार किया, जिसमें दाह संस्कार की सामग्री बांके बिहारी भक्त मंडल के द्वारा प्रदान की गई एवं लकड़ी एवं कंडों की व्यवस्था नीलेश कारखुर सहयोग से किया गया।

सार्वजनिक स्थलों पर नई प्रतिमाओं की स्थापना पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

मुरैना। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर जिला दण्डाधिकारी लोकेश कुमार जांगिड़ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत मुरैना जिले में सार्वजनिक स्थलों पर नई प्रतिमाओं की स्थापना के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जिला दण्डाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है कि मुरैना जिले में विभिन्न जातियों का स्थानीय बाहुल्य होने के कारण जातिगत समीकरणों के चलते समय-समय पर आपसी तनाव की स्थिति निर्मित होती रही है। साथ ही जिले में घटित घटनाओं का प्रभाव प्रदेश की व्यापक कानून-व्यवस्था पर भी पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में समुदाय अथवा जाति विशेष द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर अपने प्रमुख व्यक्तियों की प्रतिमाएं स्थापित करने से कई बार जातिगत तनाव एवं गंभीर कानून-व्यवस्था संबंधी स्थितियां उत्पन्न हुई हैं।

उक्त संदर्भ में उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 18 जनवरी 2013 को पारित आदेश के माध्यम से यह निर्देशित किया गया है कि सार्वजनिक स्थल, मार्ग, पार्क एवं अन्य सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर बिना विधिवत अनुमति के किसी भी प्रकार की प्रतिमा या ढांचा स्थापित नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों पर प्रतिमाओं की स्थापना को लेकर पूर्व में विवाद, धरना-प्रदर्शन एवं सामुदायिक तनाव की घटनाएं भी सामने आई हैं।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पूरन शर्मा, पुत्र श्री भोलाराम शर्मा, आयु लगभग 72 वर्ष, निवासी ग्राम ऐसाह, तहसील अंबाह, जिला मुरैना (म.प्र.) का स्थायी निवासी हूँ।

यह कि मेरे तीन पुत्र हैं–राजकुमार शर्मा, संदीप शर्मा एवं अभिनाश शर्मा–है कि जो वर्तमान में पृथक-पृथक निवास करते हैं। मैं भी अपने समस्त पुत्रों से अलग निवास करता हूँ।

यह भी सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र अभिनाश शर्मा गलत संगति में पड़कर अनुचित एवं आपत्तिजनक गतिविधियों में संलिप्त है। उसे कई बार समझाने एवं सुधारने का प्रयास किया गया, किंतु उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। उसके कृत्य सामाजिक एवं पारिवारिक मर्यादाओं के विपरीत हैं, जिससे मुझे अत्यधिक मानसिक एवं सामाजिक कष्ट हुआ है।

अतः मैं यह सार्वजनिक रूप से घोषित करता हूँ कि आज दिनांक से मेरा अपने पुत्र अभिनाश शर्मा से किसी भी प्रकार का कोई संबंध या सरोकार नहीं है तथा मैं उसे अपनी चल-अचल संपत्ति से भी वंचित करता हूँ।

यदि कोई व्यक्ति अभिनाश शर्मा के साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन, व्यवहार या आर्थिक संबंध स्थापित करता है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी स्वयं अभिनाश शर्मा की होगी। इसके लिए मैं या मेरा परिवार किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2026 | **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** | मुरैना, दिनांकः- 09.04.2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैं:-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	176/1/5, पुराना वार्ड 21 नया वार्ड 17 एम.एस. रोड जिंदल प्लाजा मुरैना	श्रीमती शकुंतला गुप्ता पत्नी विशम्भर गुप्ता निवासी- गोकुल गार्डन के बगल से मुरैना	श्रीमती ममता शर्मा पत्नी संतोष कुमार शर्मा	विक्रय पत्र
2	162/8, नया वार्ड 22 पुरानी जीन मुरैना	संजय कुमार जैन पुत्र सुरेन्द्र कुमार जैन श्रीमती रेनू जैन पत्नी संजय कुमार जैन निवासी- पवार साहब की जीन मुरैना	श्रीमती सावित्री देवी जैन पत्नी सुरेन्द्र कुमार जैन	रजिस्टर्ड वसीयतनामा, सजरा शपथ पत्र
3	367/7 का अंशभाग नया वार्ड 22, महादेव नाका शंकर बाजार मुरैना	धीरज एवं नीरज बाँदिल पुत्र पूरनचन्द बाँदिल निवासी- सब्जी मंडी दत्तपुरा मुरैना	श्रीमती सुनीता गुप्ता पत्नी राधेश्याम गुप्ता	विक्रय पत्र
4	156/46, नई हाउसिंग बोर्ड एमआईजी डीलक्स- 132 मुरैना	श्रीमती मिथलेश पत्नी साहब सिंह तोमर निवासी- सुभाष नगर मुरैना	विनायकराम थोरात पुत्र सखाराम थोरात	विक्रय पत्र
5	446/34, नया वार्ड 39 विद्याराम वाली गली गोपालपुरा मुरैना	श्रीमती प्रियादेवी पत्नी राजेश सिंह तोमर निवासी- विद्याराम शर्मा गली गोपालपुरा मुरैना	श्रीमती सुनीता देवी पत्नी रामस्वरूप शर्मा के बजाय श्रीमती शीलादेवी परिहार पत्नी जयसिंह एवं प्रियादेवी पत्नी राजेश सिंह तोमर	विक्रय पत्र, रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र
6	163/33, नया वार्ड 39 पुन्ना मेहते वाली गली गोपालपुरा मुरैना	भगवान दास, रामप्रसाद माहौर पुत्रगण स्व. शंकरलाल, श्रीमती उर्मिला पत्नी स्व. बासुदेव निवासी- पुन्ना मेहते वाली गली गोपालपुरा मुरैना	शंकरलाल पुत्र रामनंद	पूर्व का विक्रय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 15 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

राजस्व प्रभारी
नगर पालिक निगम, मुरैना

कार्यालय नगर पालिका परिषद जौरा जिला मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/लेखा/2025-26/938 | जौरा, दिनांक- 09.04.2026

ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद जौरा द्वारा निकाय की दोहरी लेखा प्रणाली कार्य हेतु चार्टेड एकाउण्टेंट नियुक्त किया जाना है। उपरोक्त कार्य हेतु ई-टेण्डर निविदा दिनांक- 12.05.2026 को सायं 17:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। विवरण इस प्रकार हैः-

क्र.	कार्य का नाम	ऑनलाइन टेण्डर आई.डी.	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	समयावधि
01	नगर पालिका परिषद जौरा द्वारा वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2025-26 तक 07 वर्ष का Double Entry B/S Income & expenditure notes to the A/C Significiant & bank reconciliation, Depretiation chart, stock verification, receivable & payble grant reconciliation.	2026_UAD_498701_1	2000000	10000	2000	पंजीकृत सी.ए. फर्म/ वास्तुविद/ कन्सलटेंट	कार्यादेश दिनांक से 06 माह

नोटः- निविदा से सम्बन्धित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन www.mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, प्रथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु निकाय की निर्माण शाखा में कार्यालयीन समय में सम्पर्क करें। समस्त विवादों के लिये न्याय क्षेत्र जौरा होगा।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद जौरा जिला मुरैना

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद जौरा जिला मुरैना

म.प्र. वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया को जीवाजी क्लब का मानद सदस्य बनाया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
ग्वालियर। जीवाजी क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र सेठ एवं सचिव संजय वर्मा के नेतृत्व में गत दिवस जीवाजी क्लब की कार्यकारिणी ने जयभान सिंह पवैया (अध्यक्ष मध्यप्रदेश वित्त आयोग) से उनके निवास पर सौजन्य भेंट कर उन्हें जीवाजी क्लब का मानद सदस्य बनाया एवं जीवाजी क्लब के विकास कार्यों एवं खेल गतिविधियों की जानकारी दी। प्रतिनिधि मंडल में जीवाजी क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र सेठ, संजय वर्मा सचिव, ट्रेजरार संजय नीखरा, उपाध्यक्ष अमित गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य अनुराग शिवहरे मधुर मित्तल, अमर सिंह राठौड़, राजीव गुप्ता, दुर्गेश चौरसिया, दीपक पमनानी शामिल थे।

संग्राम कदम बने ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसियेशन के अध्यक्ष

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
ग्वालियर। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसियेशन की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा गुरुवार को पूर्व अध्यक्ष प्रशांत मेहता ने की। इस अवसर पर एमपीसीए प्रेसिडेंट युवराज महान आर्यमान सिंधिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। नई कार्यकारिणी में जीवाजी क्लब के अध्यक्ष संग्राम कदम को जीडीसीए का अध्यछ बनाया गया है। सचिव विजय प्रकाश शर्मा को बनाया गया है। निर्भय बाकलीवाल को उपाध्यक्ष बनाया गया है। श्री कदम ने कहा कि युवराज श्री सिंधिया के मार्गदर्शन में अंचाल की क्रिकेट के विकास के लिए लगातार काम करेंगे। क्रिकेट में नई प्रतिभाओं को निखारने का काम किया जाएगा। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों संग्राम कदम (अध्यक्ष), निर्भय बाकलीवाल (उपाध्यक्ष), विजय प्रकाश शर्मा बेटू (सचिव) का आज जीवाजी क्लब में धूमधाम से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जीवाजी क्लब के समस्त कार्यकारिणी सदस्य, खिलाड़ी एवं युवा एवं वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे।

कलचुरी महिला मण्डल की जिलाध्यक्ष गायत्री शिवहरे के निवास पर हुआ राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा राय का स्वागत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
ग्वालियर। गत दिवस गायत्री शिवहरे जिला अध्यक्ष कल्चुरी महिला मंडल के निवास पर जयसवाल महिला महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा राय का स्वागत और सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंडल की बहनें और वरिष्ठ पदाधिकारी बहनें भी उपस्थित रहीं। इनमें संरक्षक श्रीमती कमला शिवहरे, सुनीता, उर्मिला, सोनम राय, पिंकी राय, ममता शिवहरे, कविता शिवहरे, माला राय और घासमंडी की वरिष्ठ बहनें भी शामिल रहीं। रेखा राय, रविता राय, अंजना राय, बवीता राय, सुहाना राय, प्रीति शिवहरे, ममता राय, सालू राय आदि बहनें अध्यक्षा आशा दीदी के स्वागत में उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि आशा दीदी से मिलकर मुझे और मेरे मंडल की सभी बहनों को बहुत खुशी हुई और उन्होंने मुझे बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएँ दीं और उन्होंने बोला कि समाज में एकजुट होकर के आगे समाज में काम करने की प्रेरणा दी और कई अपने महिलाओं के प्रति विचार व्यक्त किये। उनका बहुत बहुत आभार और धन्यवाद करती और उनको बहुत-बहुत बधाई देती हूँ इस नई जिम्मेदारियों के लिए।

सिंधिया स्कूल एवं व्हाइट कैनवास इंडिया यंग सीईओ प्रोग्राम के सीज़न 3 का समापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
ग्वालियर। सिंधिया स्कूल एवं व्हाइट कैनवास इंडिया यंग सीईओ प्रोग्राम के सीज़न 3 का समापन एक प्रभावशाली प्रोडक्ट लॉन्च कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा विकसित स्टार्टअप्स का प्रदर्शन किया गया। ये सभी उद्यम वास्तविक बाजार की आवश्यकता, स्थिरता और उद्यमशील दृष्टिकोण पर आधारित हैं।

छात्रों द्वारा प्रस्तुत स्टार्टअप्स एक नई सोच के जागरूक वैल्यू क्रिएटर्स का प्रतिनिधित्व करते हैंः-

निर्वा (Nirva) – भारत की पहली पेपर आधारित मिनरल वाटर बोतल - आर्यन भगत

ज़नोरा (Zanora) – उत्तर-पूर्व भारत से प्रेरित चंदेरी स्टोल- विभोर गोयल एवं मानविक कपूर

सिंधियन क्रंच (Scindian Crunch) – हेल्दी स्नैक्स ब्रांड - एकवीर दुबे

इन सभी उद्यमों ने कक्षा की सीमाओं से बाहर निकलकर वास्तविक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया, अपनी ब्रांड पहचान विकसित की और उपभोक्ताओं से सीधा संवाद स्थापित किया।

सीज़न 3 की विशेषता केवल प्रोडक्ट लॉन्च तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने विद्यार्थियों के सोचने के तरीके में भी सकारात्मक परिवर्तन लाया। सिंधिया स्कूल एवं व्हाइट कैनवास इंडिया यंग सीईओ प्रोग्राम के सहयोग से यह सिद्ध हुआ है कि सही मार्गदर्शन और दृष्टि मिलने पर विद्यार्थी भी उद्देश्यपूर्ण और विस्तार योग्य उद्यम स्थापित कर सकते हैं।

व्हाइट कैनवास इंडिया के संस्थापक समरेश शाह ने कहाः-

व्हाइट कैनवास इंडिया यंग सीईओ प्रोग्राम का उद्देश्य डिग्री हासिल करने वाले नहीं, बल्कि मूल्य सृजक तैयार करना है। जब विद्यार्थी वास्तविक उत्पाद लॉन्च करते हैं, तो वे खुद को भविष्य में नहीं, बल्कि आज ही एक उद्यमी के रूप में देखना शुरू कर देते हैं।

अपने स्वागत भाषण में अब सिंधिया स्कूल के प्राचार्य अजय सिंह ने कहा कि सीज़न 3 ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि सिंधिया स्कूल और व्हाइट कैनवास इंडिया यंग सीईओ प्रोग्राम शिक्षा को निष्क्रिय सीखने से सक्रिय उद्यम निर्माण की दिशा में ले जा रहे हैं, जिससे आत्मविश्वासी और भविष्य के लिए तैयार नेतृत्व का निर्माण हो रहा है।

इस अवसर पर सिंधिया स्कूल के प्राचार्य अजय सिंह, उप प्राचार्या सुश्री स्मिता चतुर्वेदी, बरसर कर्नल डी.के. फर्शवाल, सूचना प्रौद्योगिकी प्रभारी राजकुमार कपूर, व्हाइट कैनवस इंडिया के संस्थापक समरेश शाह सहित इस कार्यक्रम के संयोजक परमिंदर सिंह घई तथा विद्यालय के सभी शिक्षक व छात्रगण उपस्थित रहे।

उक्त जानकारी मनोज मिश्रा प्रिंट मीडिया प्रभारी सिंधिया स्कूल,फोर्ट, ग्वालियर ने दी।

भगवान श्रीकृष्ण ने कंस का वध कर मथुरावासियों को अत्याचारों से मुक्ति दिलाईः पं. जितेन्द्र भारद्वाज

न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी एमआईजी- 628 में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का षष्टम दिवस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में शनिवार से संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ प्रारंभ हुआ। यहां पर कथा का वाचन कथाव्यास पं. जितेन्द्र भारद्वाज द्वारा किया जा रहा है। कथा के परीक्षत केशवलाल शिवहरे-श्रीमती मुन्नी देवी हैं। यह कथा 10 अप्रैल तक चलेगी। 11 अप्रैल को कथा की पूर्णाहुति होगी। गुरुवार को कथास्थल पर ग्वालियर समाज के अध्यक्ष सुरेश चंद शिवहरे, महासचिव रघुवीर राय, वरिष्ठ समाजसेवी धर्मवीर राय सहित अनेक लोगों ने कथाव्यास पं. भारद्वाज का पुष्पहारों से अभिनंदन किया तथा कथा का श्रवण किया।

कथा के षष्टम दिवस बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए पं. जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण कंस का वध करने के लिए अपने भाई बलराम के साथ मथुरा आ जाते हैं। हालांकि इससे पूर्व कंस ने कई बार गोकुल में भगवान को मारने के प्रयास किए लेकिन वे सभी प्रयास सफल नहीं हो सके। मथुरा के राजा कंस ने कृष्ण और बलराम को मारने के लिए धनुष यज्ञ का आयोजन किया और उन्हें मथुरा आमंत्रित किया। मथुरा पहुँचकर, कृष्ण और बलराम ने कंस के अत्याचारों के प्रतीक कुवलयापीड हाथी और पहलवानों (चाणूर और मुष्टिक) का वध कर दिया। तत्पश्चात् बालक श्रीकृष्ण कंस के सिंहासन तक पहुंचे और उसका भी अंत कर दिया। कथावाचक पं. भारद्वाज ने कहा कि आताताई कोई भी हो उसका वध निश्चित है। एक अन्य प्रसंग में उन्होंने उद्धव प्रसंग की कथा सुनाते हुए कहा कि मथुरा में श्रीकृष्ण को ब्रजवासियों और गोपियों की याद आती है। उन्होंने अपने परम ज्ञानी मित्र उद्धव को ज्ञानयोग का संदेश देकर ब्रज भेजा। ब्रज में आकर उद्धव जी गोपियों को अपने ज्ञान के माध्यम से निराकार ब्रह्म के बारे में बताते हैं लेकिन गोपियों ने श्रीकृष्ण के प्रेम के जो प्रसंग उद्धव जी को सुनाये तो उद्धव जी अपने ज्ञान को भूलकर भगवान कृष्ण के रंग में रंगे हुए मथुरा लौटकर आते हैं। यहां पर वे भगवान से कहते हैं कि प्रभु गोपियों का आपके प्रति अनन्य प्रेम देखकर मैं सबकुछ भूल गया हूँ। इस तरह उद्धव जी के ज्ञान का अहंकार टूटकर चकनाचूर हो गया। एक अन्य प्रसंग में पं. भारद्वाज ने रुकमणि विवाह की कथा सुनाई। आज की कथा में सैकड़ों भक्तगण मौजूद थे।

आयोजक परिवार के अशोक शिवहरे-श्रीमती आशा, पप्पू शिवहरे-श्रीमती कविता, दिनेश शिवहरे-श्रीमती ममता, रामजीलाल शिवहरे-श्रीमती सुनीता, रोशन शिवहरे-श्रीमती शालिनी, कमलकिशोर शिवहरे-श्रीमती स्वाति, हेमन्त शिवहरे-श्रीमती प्रीति, शिवकुमार शिवहरे-श्रीमती रिया, कृष्णकान्त शिवहरे-श्रीमती कामिनी, चेतन शिवहरे, नीरज शिवहरे, रोहित शिवहरे, नमन शिवहरे, कार्तिक शिवहरे, पियूष शिवहरे, विनायक शिवहरे ने सभी भक्तों से कथा श्रवण कर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

समाजसेवी संस्था दाना पानी, यातायात पुलिस व जीडी गोयनका विद्यालय ने ट्रॉलियों पर लगाया रेडियम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। समाजसेवी संस्था दाना पानी एवं मुरैना यातायात पुलिस तथा जीडी गोयनका स्कूल मुरैना के बच्चों द्वारा गल्ला मंडी मुरैना में ट्रॉलियों पर रेडियम लगाओ प्राण बचाओ अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम महेंद्र खत्री की टीम द्वारा किया गया। यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक होगा कि ट्रॉलियों पर

रेडियम का अभाव होने के कारण अनेक बार रात्रि के समय दुर्घटनायें घटित हो जाती हैं, जिसमें लोगों की जान चली जाती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए समाजसेवी संस्था दाना पानी द्वारा यह अभियान चलाया गया। निश्चित रूप से यह अभियान एक श्रेष्ठ कार्य है। जिससे रात्रि के समय वाहन चलाने वाले लोगों को काफी सुविधा होगी।

आरंभ-लाइफ 2.0 स्थापना समारोह कल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
ग्वालियर। आरंभ-लाइफ 2.0 स्थापना समारोह का भव्य आयोजन 11 अप्रैल को जेसीआई एलुमनी क्लब, ज़ोन 6 द्वारा ''आरंभ-लाइफ 2.0 स्थापना समारोह 2026'' का आयोजन आगामी 11 अप्रैल को इम्पीरियल गोल्फ रिज़ॉर्ट में सायं 7:30 बजे किया जाएगा। यह जानकारी क्लब पदाधिकारियों द्वारा दी गई।

आयोजन समिति के अध्यक्ष रितिका गुप्ता, सचिव रजनीश नीखरा, कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल सनी ने बताया कि समारोह के लिए पंजीकरण प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है तथा इसकी समय-सीमा सीमित रखी गई है। पीआरओ रीता तनेजा ने बताया कि प्रीमियम एवं भव्य वेन्यू इम्पीरियल गोल्फ रिज़ॉर्ट में आयोजित होने वाला यह समारोह अत्यंत विशिष्ट एवं आकर्षक होगा। इस अवसर राष्ट्रीय पदाधिकारी आयोजन में उपस्थित रहेंगे। सदस्यों की सक्रिय भागीदारी ही आयोजन की सफलता है। पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

एमआईसी में शासकीय सेवकों और परिवार पेंशनर्स की महंगाई राहत स्वीकृत

सहायक यंत्री विद्युत श्रीमती अभिलाषा बघेल निलंबित

ग्वालियर। गुरूवार को हुई मेयर इन काउंसिल की बैठक में सातवें वेतनमान में वेतन प्राप्त कर रहे शासकीय सेवकों की देय महंगाई भत्ते की दर में वृद्धि और नगर निगम के पेंशनर्स, परिवार पेंशनर्स की पेंशन पर महंगाई राहत वृद्धि स्वीकृत चर्चा उपरांत स्वीकृत कर दी गई है। वहीं सहायक यंत्री विद्युत श्रीमती अभिलाषा बघेल को निलंबित कर दिया गया है। बैठक महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में 100 टीपीडी क्षमता के सीएण्डडी वेस्ट प्लांट की स्थापना तथा संचालन के आरएफ्पी की शर्तों में आवश्यक संशोधनों के अनुमोदन बाबत निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत शर्तों के साथ अनुमोदित किया गया। साथ ही हस्सू हद्दू खां सभागार पार्क ध्रुपद केन्द्र संगीत अकादमी एवं जनहित में खाली करने बाबत प्रस्ताव पर चर्चा उपरांत प्रस्ताव परिषद की ओर अग्रेषित किया गया। साथ ही सहायक यंत्री विद्युत श्रीमती अभिलाषा बघेल को चर्चा उपरांत निलंबित कर दिया गया। बैठक में सातवें वेतनमान में वेतन प्राप्त कर रहे शासकीय सेवकों की देय महंगाई भत्ते की दर में वृद्धि के संबंध में चर्चा उपरांत प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया। साथ ही मध्य प्रदेश राज्य के पेंशनरों, परिवार पेंशनरों की भांति नगर निगम के पेंशनर्स, परिवार पेंशनर्स के पेंशन पर मंहगाई राहत वृद्धि स्वीकृत करने के संबंध में चर्चा उपरांत प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।